दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो समाज युवाओं को केवल प्रमाण-पत्र देना सीखाता है और सेवा करना भूल जाता है, वह भविष्य में भीड़ तो पैदा करता है, लेकिन जिम्मेदार नागरिक नहीं।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication

A/C No: 61347330768

IFSC Code- SBIN0031880

Phone pe , G-pay

9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-47 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 6 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

सेल्फी संस्कृति : राष्ट्रीय सेवा योजना की आत्मा पर औपचारिकता का हमला

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का जन्म किसी प्रमाण-पत्र उत्पादन केंद्र के रूप में नहीं हुआ था। इसका मूल उद्देश्य था–युवाओं में राष्ट्रबोध, सेवा-भाव, श्रम की गरिमा और सामाजिक संवेदना का विकास। यह योजना विद्यार्थियों को कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकालकर समाज की वास्तविकताओं से जोड़ने का माध्यम बनी थी। लेकिन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है कि क्या राष्ट्रीय सेवा योजना आज भी अपने मूल उद्देश्य को साध पा रही है, या फिर यह भी हमारी शिक्षा व्यवस्था की तरह औपचारिकता की भेंट चढ़ चुकी है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। आज अधिकांश कॉलेजों में एनएसएस शिविरों का स्वरूप चिंताजनक रूप से सतही होता जा रहा है। शिविर का अर्थ अब सामाजिक सरोकार नहीं, बल्कि 'फोटो अवसर' बनकर रह गया है। हाथ में झाड़ू, चेहरे पर बनावटी मुस्कान, मोबाइल कैमरे की ओर झुका हुआ सिर और अगले दिन अखबार के कोने में छपी एक तस्वीर–यहीं पर शिविर की इतिश्री मान ली जाती है। कई जगह तो स्थिति इससे भी आगे बढ़ चुकी है, जहां पुरानी तस्वीरें चिपकाकर, कागज़ी रिपोर्ट तैयार कर, सरकारी अनुदान का औपचारिक हिसाब देकर शिविर संपन्न होने का नाटक कर लिया जाता है। यह व्यंग्य नहीं, बल्कि कड़वी सच्चाई है कि सेवा अब 'सेल्फी-संस्कृति' में बदलती जा रही है। राष्ट्र सेवा का भाव, समाज के प्रति उत्तरदायित्व और श्रमदान की चेतना–ये शब्द अब फाइलों और भाषणों तक सीमित रह गए हैं। प्रश्न यह नहीं है कि युवा में जिज्ञासा या ऊर्जा की कमी है; प्रश्न यह है कि क्या हम उन्हें सही दिशा दे पा रहे हैं? राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरों का उद्देश्य विद्यार्थियों को जीवन-कौशल सिखाना, आत्मनिर्भरता का अनुभव कराना और सामाजिक समस्याओं को समझने की दृष्टि देना था। ग्रामीण विकास, स्वच्छता, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता, महिला सशक्तिकरण जैसे विषय केवल पोस्टर लगाने या भाषण सुनने के लिए नहीं थे, बल्कि उन्हें जमीन पर उतरकर समझने के लिए थे। किंतु आज स्थिति यह है कि न छात्रों में उत्साह बचा है, न आयोजकों में प्रतिबद्धता। शिविर कई बार केवल उपस्थिति और प्रमाण-पत्र का सौदा बनकर रह गया है।

यह भी एक कटु सत्य है कि मोबाइल स्क्रीन और आभासी दुनिया ने युवाओं को वास्तविक समाज से काट दिया है। राष्ट्रीय सेवा योजना इस दूरी को पाटने का एक सशक्त माध्यम हो सकती थी, लेकिन जब स्वयं योजना ही औपचारिकता में उलझ जाए, तो परिणाम वही होता है जो आज दिख रहा है–युवा ऊर्जा का क्षरण। राष्ट्र की युवा संपदा, जो परिवर्तन की वाहक हो सकती थी, वह या तो निष्क्रिय हो रही है या फिर दिशाहीन। इस पूरे परिदृश्य में शिक्षकों और एनएसएस प्रभारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक यदि यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से बच निकलें कि 'आज का युवा सुनता नहीं ', तो यह भविष्य के लिए खतरनाक संकेत है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि दिशा देने वाला होता है। यदि शिक्षक स्वयं समय के साथ अपडेट नहीं होंगे, सामाजिक यथार्थ से नहीं जुड़ेंगे और नई तकनीकों–जैसे एआई, डिजिटल टूल्स और आधुनिक ज्ञान-प्रणालियों–के साथ कदमताल नहीं करेंगे, तो उनका प्रभाव धीरे-धीरे क्षीण होता जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना को पुनः जीवंत बनाने के लिए आवश्यक है कि इसे कागज़ से निकालकर धरातल पर उतारा जाए। शिविरों में केवल साफ-सफाई का दिखावा नहीं, बल्कि वास्तविक समस्याओं पर काम हो। छात्रों को फील्डवर्क, ग्राउंड रिपोर्टिंग, सामाजिक सर्वेक्षण, संवाद और सामूहिक श्रम के अनुभव दिए जाएं। जब छात्र स्वयं किसी बस्ती की समस्या को समझेगा, समाधान खोजेगा और उसमें अपनी भूमिका देखेगा, तभी उसके भीतर सेवा-भाव का अंकुर फूटेगा। युवाओं को भी आत्ममंथन करना होगा। राष्ट्रीय सेवा योजना को बोझ या मजबूरी नहीं, बल्कि साधना के रूप में देखना होगा। राष्ट्रभक्ति केवल नारों से नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के साथ खड़े होने से पैदा होती है। श्रम सेवा, सामाजिक सद्भाव और संवेदनशीलता–ये ऐसे मूल्य हैं जो शिविरों के अनुभव से ही विकसित हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें ईमानदारी से जिया जाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि राष्ट्रीय सेवा योजना को प्रमाण-पत्र आधारित कोर्स नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला बनाया जाए। यदि यह योजना सही मायने में लागू हो, तो यही शिविर युवा को आत्मनिर्भर, आत्मसम्मानी और जिम्मेदार नागरिक बना सकते हैं। अन्यथा, झाड़ू हाथ में लेकर खिंचवाई गई तस्वीरें और फाइलों में सजी रिपोर्टें इतिहास के पन्नों में एक और खोखली योजना के रूप में दर्ज हो जाएंगी।

अंततः सवाल यह नहीं है कि शिविर लगे या नहीं, सवाल यह है कि शिविरों में 'सेवा' जीवित है या केवल उसका अभिनय चल रहा है। यदि हमने अब भी आत्ममंथन नहीं किया, तो राष्ट्रीय सेवा योजना का नाम तो बचेगा, लेकिन उसकी आत्मा कहीं खो जाएगी–और यह क्षति केवल एक योजना की नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की होगी।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी, 20 जिलों में स्कूल बंद

जयपुर में कोहरे के कारण 0 विजिबिलिटी,

आज 18 जिलों में शीतलहर-धुंध की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जयपुर में मंगलवार सुबह भी घना कोहरा रहा। शहर के अधिकतर इलाकों में विजिबिलिटी काफी कम रही। फोटो शहर के हल्दीघाटी गेट के पास का है। राजस्थान में घने कोहरे और शीतलहर से हाड़ कंपाने वाली सर्दी का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश के 20 जिलों में आज से 8वीं क्लास तक स्कूलों में छुट्?टी की गई है। वहीं, मौसम विभाग ने आज 18 जिलों में कोहरे और शीतलहर का

अलर्ट जारी किया है। मंगलवार सुबह राजधानी जयपुर में कोहरे के कारण विजिबिलिटी 0 मीटर रही। वहीं, जयपुर में हवा की क्वालिटी भी सुबह खराब रही। ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई 200 के ऊपर रिकॉर्ड हुआ। राज्य में कोहरे का असर 7 जनवरी और कोल्ड-वेव का असर 9 जनवरी तक रहने का अनुमान है।

लगातार गिर रहा है तापमान

नए साल की शुरुआत से राजस्थान में सर्दी बढ़ गई है। बीते 5 दिन में तीन दिन माउंट आबू सहित शेखावाटी के कई एरिया में पारा एक डिग्री या उससे कम रहा। सर्दी के साथ घना कोहरा और बर्फीली हवा लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। मंगलवार सुबह भी शीतलहर के कारण कड़ाके की सर्दी महसूस हुई। वहीं, सोमवार को भी जयपुर, अलवर, भरतपुर, दौसा सहित कई जिलों में दोपहर तक कोहरा छाया रहा।

राज्य के 19 शहरों में दिन का सबसे अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। गंगानगर में सोमवार को सबसे ठंडा

जयपुर में सीजन का सबसे ठंडा दिन

जयपुर में सोमवार को सीजन की सबसे सर्द रात और सर्द दिन रहा। यहां न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में घना कोहरा और तेज सर्द हवाएं चलने से अधिकतम तापमान भी 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

टोहाना स्थित बाबा बंदा बहादुर गुरुद्वारा साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना?।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, दसवें पातशाह गुरु गोविंद सिंह के पावन प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर रामनगर टोहाना स्थित बाबा बंदा बहादुर गुरुद्वारा साहिब में आयोजित श्री अखंड पाठ साहिब के भोग कार्यक्रम में श्रद्धापूर्वक सम्मिलित हुए। इस पावन अवसर पर उन्होंने गुरु साहिब के चरणों में शीश नवाकर सर्व समाज के कल्याण की कामना की। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने गुरु गोविंद सिंथं के जीवन एवं विचारों को स्मरण करते हुए कहा कि गुरु साहिब का संपूर्ण जीवन धर्म की रक्षा, अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, मानवता की सेवा और बलिदान का अनुपम उदाहरण है। उनके द्वारा स्थापित आदर्श आज भी समाज को सत्य, साहस और कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा दिए गए संदेश सामाजिक समरसता,

आपसी भाईचारे और समानता की भावना को मजबूत करते हैं। ऐसे महान गुरुओं की शिक्षाएं समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती हैं और आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करती हैं। राज्यसभा सांसद ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा महापुरुषों, संतों और गुरुओं की जयंती एवं प्रकाश पर्व पूरे प्रदेश में सम्मान, श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाए जा रहे हैं। इन आयोजनों के माध्यम से सरकार युवाओं को महापुरुषों के जीवन दर्शन से जोड़ने तथा उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है।

रावणा राजपूत समाज की 27 प्रतिभाओं का सम्मान किया

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । एनएच 52 स्थित होटल में चूरू जिला रावणा राजपूत संस्थान की ओर से रावणा राजपूत समाज का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ। कार्यक्रम में समाज के 27 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बजरंग सिंह ने की। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं व भामाशाहों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर इंद्र सिंह शेखावत, हरिसिंह, महावीर सिंह सोडा, भगवान सिंह राठौड़, कैलाश सिंह, एडवोकेट पंकज सिंह, गजेंद्र सिंह, डूंगरसिंह सोनगरा आदि उपस्थित थे। संचालन डिंपल कंवर मेड़तिया ने किया।

वर्मा सीनियर टीम ने जीता करवर क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.करवर(बूंदी)।

राकेश कुमार बैरवा । करवर में स्वर्गीय प्रभू लाल करसोल्या (पूर्व विधायक-नैनवा) की स्मृति में चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन फाइनल मैच के साथ हुआ। प्रतियोगिता में फाइनल मैच का मुकाबला वर्मा सीनियर व मरमुड़िया टीम के बीच खेला गया, जिसमे वर्मा सीनियर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मैच की पहली पारी खेलते हुए वर्मा सीनियर टीम के खिलाड़ियों ने 15 ओवरों में 8 विकिट गवाकर 103 रन बनाए। मैच की दूसरी पारी में लक्ष्य प्राप्ति को खेली मरमुड़िया टीम 13 ओवर में 79 रन बनाकर आलआउट हो गई। वर्मा सीनियर व मरमुड़िया के बीच हुए फाइनल मैच के मुकाबले में मेन ऑफ द मैच वर्मा सीनियर टीम के संजय कुलदीप रहे व प्रतियोगिता में मेन ऑफ द सीरीज विजेंद्र चौधरी रहे। प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि कोटा जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनोज जी शर्मा रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता बून्दी नगर परिषद अध्यक्ष सरोज अग्रवाल ने की,विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिपस कन्हैया लाल जी मीणा, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल,पूर्व सरपंच व भाजपा वरिष्ठ नेता शांति प्रकाश माथुर, निवर्तमान प्रधान नैनवा पदम जी नागर,करवर पंचायत प्रशासक दीपकला जी नागर रहें। प्रतियोगिता आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

इंद्रलोक फाउंडेशन द्वारा ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड-2026 समारोह संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । मानसरोवर, न्यू सांगानेर रोड़, सिटी पार्क के विपरीत, वरुण में स्थित रॉयल बाग पैलेस में इंद्रलोक फाउंडेशन द्वारा ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड-2026 समारोह जयपुर शहर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की मुख्य आतिथ्य एवं संस्था की डायरेक्टर इंद्रा बंसल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. सौम्या गुर्जर ने सभी अवार्डियों को प्रोत्साहित किया तथा इंद्रलोक फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि फ़िल्म प्रोड्यूसर एन.के. मित्तल व कोएक्टर विजय लक्ष्मी रही। मित्तल ने समारोह की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए संस्था को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। संस्था की डायरेक्टर इंद्रा बंसल ने सभी अवार्ड प्राप्त कर्ताओं को बधाई दी एवं उन्हें भविष्य में भी समाज हित में निरंतर कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया। संस्था के पदाधिकारियों द्वारा आए हुए अतिथियों का दुपट्टा, साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी अवार्डी को अलग-अलग श्रेणी के माध्यम से सम्मानित किया। सभी सहयोगियों ने बड़े उत्साह के साथ समारोह की सराहना की। अंत में संस्था की डायरेक्टर इंद्रा बंसल ने सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस दौरान मीनू सिंह, माया सैनी, ललिता टांक, दीपिका राठौड़, रमेश टांक इत्यादि मौजूद रहे।

बीकानेर में मिस्टर इंडिया मोहम्मद अशफाक ने दिखाई बॉडी: जिला स्तरीय कॉम्पिटिशन में सरफराज और कंचन रही विजेता

भीम प्रज्ञा न्यूज

बीकानेर । जिला बॉडी बिल्डिंग संगम एवं मरुधर जिम्नेजियम के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित जिला स्तरीय बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता के प्रमुख खिताब सीनियर मिस्टर बीकानेर पर सरफराज खान ने कब्ज़ा जमाया। महिला वर्ग में कंचन स्वामी विजेता रही। पुरुष वर्ग में रनर उप मि. बीकानेर हितेश झा एवं फर्स्ट रनर उप मि. बीकानेर इंद्र सेन बने 7 इस दौरान बड़ी संख्या में बॉडी बिल्डर्स ने प्रतियोगिता में भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मिस्टर इंडिया मोहम्मद अशफाक का बॉडी बिल्डिंग प्रदर्शन रहा। जिन्होंने अपनी मसल्स का प्रदर्शन कर सबकी वाहवाही लूटी। इस अवसर संगम के अध्यक्ष अरुण व्यास ने बताया की

प्रतियोगिता में कुल 92 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें महिला वर्ग में कंचन स्वामी विजेता रही तथा हेमलता सर्वटे रनर उप, रितिका मोदी प्रथम रनर उप एवं संजना सुथार द्वितीय रनर उप रही। मास्टर्स कैटेगरी में उम्मेद रंगा विजेता रहे, मेन्स फिजिक में श्री डूंगरगढ़ के नदीम प्रथम, ईश्वर द्वितीय तथा इंद्र सेन तृतीय रहे। बॉडी बिल्डिंग के विभिन्न भार वर्गों मै क्रमश प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर 0-55 किग्रा में खुशाल नाथ, रणजीत मंडल, जावेद, 55-60 किग्रा में तनवीर, लालकृष्ण वाल्मीकि, रणजीत सिंह, 60-65 किग्रा में रितेश झा, शोएब हुसैन,आयुष व्यास, 65-70 में इंद्र सेन, रामस्वरूप लेघा, संकूत चांगरा 70-75 किग्रा में ईश्वर पंवार, सुमित घारू, श्यामवीर, 75-80 किग्रा में नदीम, दीपक मलोटिया, त्रिलोक कुमार लूणा, 80 किग्रा से ऊपर में सरफराज प्रथम रहे। जिला संगम के सचिव आशुतोष स्वामी ने बताया की बीकानेर के होनहार बॉडी बिल्डर राष्ट्रीय पदक विजेता एवं राजस्थान पुलिस में कार्यरत जावेद रंगरेज का भी सम्मान किया गया एवं मिस्टर नार्थ इंडिया शाकिब खान का बॉडी शो के बाद भी सम्मान किया गया। निर्णायक की भूमिका विक्रम व्यास, इम्तियाज खान और राजेश पूरी ने निभाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ बी. डी. कल्ला, विशिष्ट अतिथि शहर कांग्रेस अध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल, समाजसेवी राजेश चुरा, रूपकिशोर व्यास, महिला कांग्रेस की शहर- देहात अध्यक्ष शशिकला राठौर एवं शांति बेनीवाल रहे। संगम के कोषाध्यक्ष मुरली किराडू ने सभी का आभार जताया।

घर खरीदते समय रखें इन बातों का ध्यान

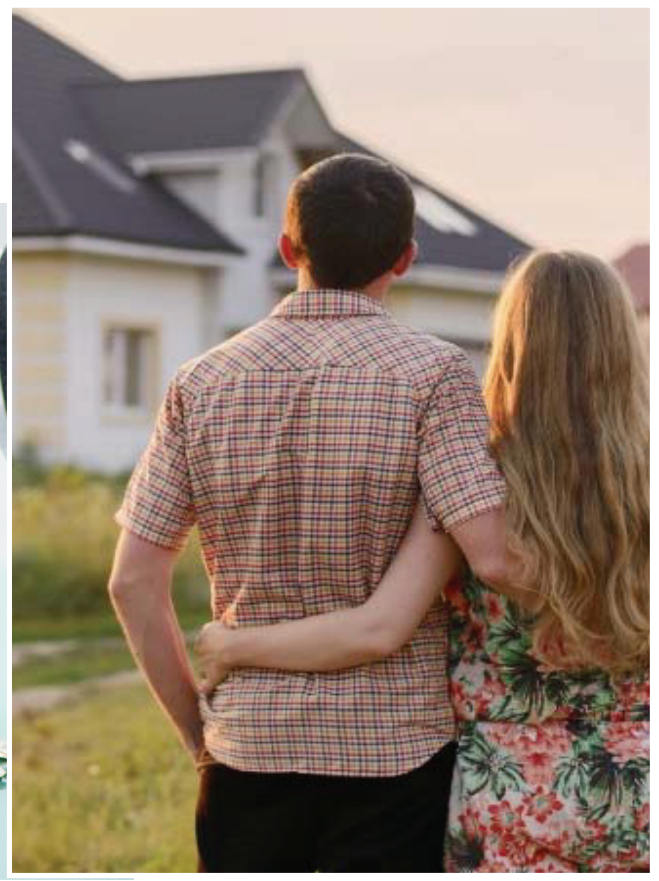

आजकल शहर के मध्य में तो घर लेना हर एक के बस की बात नहीं होती, क्योंकि एक तो यहां पर रेट्स बहुत अधिक होते हैं दूसरे शहर के बीच में जगह न होने के कारण अधिकांश निर्माण कार्य शहर के बाहरी इलाके में ही हो रहा है

आशीष और रीमा ने कुछ दिनों पूर्व अपनी 10 साल की समस्त जमा पूंजी लगाकर अपने सपनों का आशियाना खरीदा, उसका इंटीरियर भी दिलो जान से करवाया और खुशी खुशी उसमें अपने माता पिता और 2 बच्चों के साथ शिफ्ट भी हो गये. पूरा परिवार खुश था कि जैसा घर खरीदना चाहते थे उससे भी अच्छा घर खरीद पाए पर 1 साल बाद ही अचानक एक दिन आये हार्ट अटेक से उसकी मम्मी चल बसीं. मम्मी के जाने के बाद अब नई समस्या उत्पन्न हो गई क्योंकि भविष्य में जमीन अपनी रहे इस सोच के चलते आशीष ने एक डुप्लेक्स घर खरीदा था जिसमें नीचे के फ्लोर पर 1 बी एच के और ऊपर 2 बी एच के था. जब तक मां थीं तो पापा और मां नीचे रहते थे आशीष अपने 2 बच्चों के साथ ऊपर पर अब 90 वर्षीय पिता को अकेले नहीं छोड़ा जा सकता था और नीचे एक कमरा ही था जिसमें अन्य किसी के सोने की कोई व्यवस्था नहीं थी अब आशीष परेशान है कि यदि पहले इस समस्या पर विचार किया होता तो या तो नीचे 2 बी एच के का घर देखता या फिर 3 बी एच के फ्लेट ही खरीद लेता क्योंकि पिता को अकेले छोड़ना सम्भव नहीं था अब आशीष के पास 2 ही विकल्प हैं कि या तो घर बदला जाये या फिर घर की संरचना में परिवर्तन कराकर एक कमरा नीचे निकलवाया जाये.

अनन्या ने सर्व सुविधायुक्त बहुत अच्छी सोसाइटी में काफी महंगे दामों पर अपनी सारी जमा पूंजी लगाकर 3 बी एच के फ्लेट खरीदा परन्तु जब वह वहां निवास करने लगी तो उसे समझ आया कि सोसाइटी के आसपास कोई भी बाजार नहीं है जिससे रोजमर्रा छोटी छोटी चीजों को खरीदने के लिए भी उसे कार से ही जाना पड़ता है जिससे समय और पैसा दोनों की ही बर्बादी होती है अब समझौता करने के अलावा कोई चारा नहीं है वह कहती है, काश मैंने बाहरी चमक दमक की अपेक्षा थोडा सा प्रेक्टिकल होकर सोचा होता, क्योंकि घर कोई शाक भाजी नहीं है जिसे पसंद न आने पर बदला जा सके. अपना घर खरीदना हर किसी का सपना होता है, पहले की अपेक्षा आजकल बैंक से घर के लिए लोन भी बड़ी आसानी से मिल जाता है इसके साथ ही आयकर में छूट भी मिलती है जिससे नौकरी लगने के बाद घर खरीदना और अधिक आसान हो जाता है. घर हम सभी जीवन में एक बार ही खरीदते हैं और इसे केवल तात्कालिक जीवन या फिर परिस्थितियों को देखकर नहीं बल्कि भविष्य और परिवार के स्ट्रक्चर को ध्यान में रखकर ही खरीदना चाहिए ताकि जिन्दगी के किसी भी मोड़ पर आपको पछताना न पड़े. घर खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखा जाना अत्यंत आवश्यक है–

1-लोकेशन का रखें ध्यान

आजकल शहर के मध्य में तो घर लेना हर एक के बस की बात नहीं होती, क्योंकि एक तो यहां पर रेट्स बहुत अधिक होते हैं दूसरे शहर के बीच में जगह न होने के कारण अधिकांश निर्माण कार्य शहर के बाहरी इलाके में ही हो रहा है यद्यपि शहरों के इन आउटर एरियाज का विकास भी बहुत तेजी से होता है इसलिए जब भी आप घर खरीदें तो ध्यान रखें कि उसके आसपास हॉस्पिटल, छोटा मोटा बाजार, अवश्य हो, जहां से जरूरत पड़ने पर सामान खरीदा जा सके.

2-लिफ्ट भी है आवश्यक

15 वर्षों से एक 4 मंजिली सोसाइटी में रह रही हर्षिता की सोसाइटी बहुत अच्छी है रहवासी भी सरल, सहज हैं परन्तु पिछले दिनों जब उसकी सास को हॉस्पिटल ले जाना था तो लिफ्ट न होने के कारण उन्हें उतारने में बहुत समस्या हुई तब उसे लगा कि सोसाइटी में लिफ्ट का होना अत्यंत आवश्यक है. जनसंख्या अधिक और रहवासी जमीन कम होने से फ्लेट कल्चर का जन्म हुआ और सर्व सुविधायुक्त सोसाइटीज में फ्लेट बनने लगे. यद्यपि आजकल सभी सोसाइटीज में लिफ्ट का प्रावधान होता है परन्तु कई बार 3–4 मध्यम श्रेणी के शहरों में 3–4 मंजिल की सोसाइटीज बनतीं हैं जहाँ पर लिफ्ट का कोई प्रावधान नहीं होता अथवा लिफ्ट के लिए जगह छोड़ दी जाती है ऐसे फ्लेट कीमत में भले ही कम होते हों परन्तु लिफ्ट न होने से भारी सामान को ले जाने अथवा बीमारी हारी की स्थिति में मरीज को लाना और ले जाना बहुत मुश्किल हो जाता है इसलिए सदैव लिफ्ट वाली सोसाइटी में ही घर खरीदना सही रहता है.

3-डुप्लेक्स की मुश्किल

फ्लेट की सबसे बड़ी कमी है कि उसमें जमीन अपनी नहीं होती और इस कमी को पूरा करने के लिए डुप्लेक्स घरों का कल्चर आया भले ही डुप्लेक्स की कीमत में कम होते हैं परन्तु इनकी सबसे बड़ी कमी नीचे के फ्लोर पर केवल एक ही बेडरूम होना है क्योंकि फ्लेट में जहाँ एक ही फ्लोर पर सारे कमरे होते हैं वहीँ डुप्लेक्स को चूँकि कम जगह में अधिक जगह वाला बनाया जाता है इसलिए इसमें नीचे के फ्लोर पर 1 बी एच के और ऊपर के फ्लोर पर 2 या 3 बी एच के ही होता है. ऐसे में नीचे रहने वाला बन्दा अकेला हो जाता है. जिन घरों में बुजुर्ग हैं वहां यह आगे चलकर काफी गम्भीर समस्या बन जाती है इसलिए डुप्लेक्स घर लेते समय नीचे के फ्लोर पर 2 बी एच के होना अत्यंत आवश्यक है.

4-बजट फ्रेंडली हो घर

अपने परिचित या मित्रों की देखादेखी घर खरीदने की अपेक्षा घर खरीदने से पहले अपने बजट का पूरी तरह मूल्यांकन कर लें कि भविष्य में किश्त कहां से और कैसे निकलेगी. क्योंकि कई बार घर लेने के बाद घर में आये आकस्मिक खर्चों को पूरा करना ही बहुत बड़ी समस्या बन जाती है. यदि अभी आपका बजट छोटा घर खरीदने का है तो उसे लेकर किराये पर दे सकते हैं ताकि आपके पास एक एसेट हो जाये और फिर आगे चलकर इसे सेल आउट करके आप और धन मिलाकर अपनी आवश्यकतानुसार घर खरीद सकते हैं.

5-मेंटेनेंस का रखें ध्यान

कार्तिक ने अपने घर का इंटीरियर करवाते समय बहुत महंगे पर्दे, किचिन केबिनेट, ग्लासेज और पेंटिंग्स लगवायीं परंन्तु कुछ समय बाद ही मेंटेनेंस के अभाव में वे बदरंग और धूल धूसरित नजर आने लगीं. अक्सर घर बनवाते समय लोग अपने घर में बहुत महंगा इंटीरियर करवा लेते हैं परन्तु रहते समय उनकी साफ़ सफाई और रख रखाव पर ध्यान नहीं देते जिससे घर का सौन्दर्य ही नष्ट हो जाता है इसलिए घर में उतना ही काम करवाएं जिसकी आप साफ़ सफाई कर सकें.

6-बुजुर्गों का ध्यान अत्यंत आवश्यक

यदि आपके माता पिता बुजुर्ग हैं तो उनकी सुविधा का ध्यान रखें कि उनके लिए ऐसा कमरा चुने जहां से वे परिवार के सभी सदस्यों तक आसानी से पहुंच सकें, उनसे बतियाकर हंस बोल सकें साथ ही उनके घूमने फिरने के लिए भी पर्याप्त स्पेस हो जिससे उनका मन लगा रहे. उनके बाथरूम में एंटी स्किट टाइल्स और एल्युमुनियम की रेलिंग आदि की व्यवस्था करवाएं ताकि उन्हें आने जाने में परेशानी न हो।

मुल्तानी मिट्टी से निखारें खूबसूरती

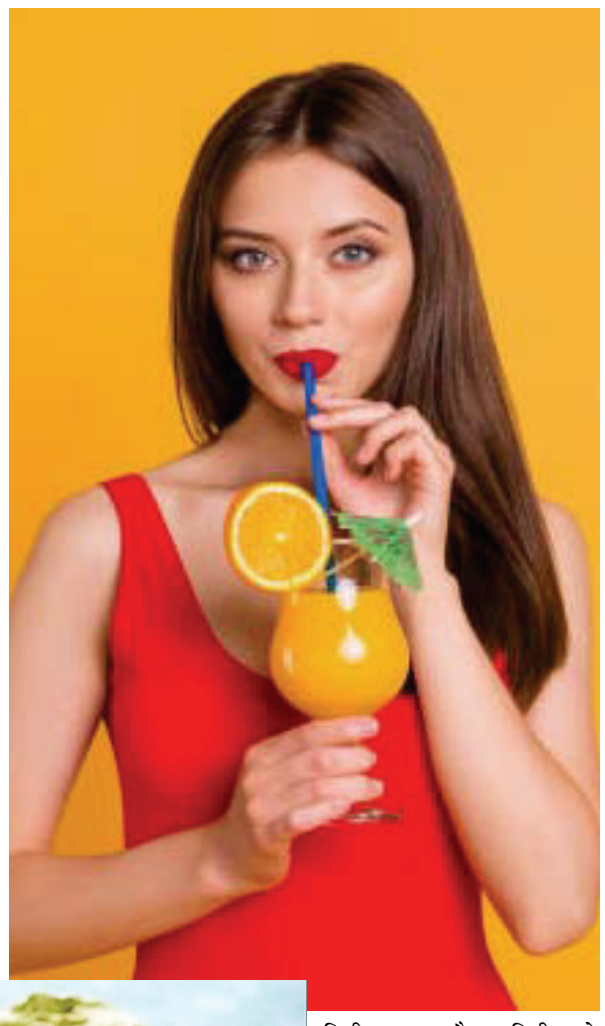

दमकती त्वचा के लिए हमारे यहां मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग दादी-नानी की भी दादी-नानी के जमाने से हो रहा है. फिर ताज महल की खूबसूरती बढ़ाने और इस के पत्थर पर चढ़ी पीली परत हटाने के लिए भी इस पर मुल्तानी मिट्टी का लेप किया जा रहा है.

अब तो आप भी चाहेंगी इसके इस्तेमाल से त्वचा निखारी जाए. तो जानें इसे कैसे इस्तेमाल करें कि आपको हमेशा दमकती त्वचा मिले

1. मुल्तानी मिट्टी में बादाम के कुछ टुकड़ों को कूटकर डाल दीजिए और उसी में कुछ मात्रा में दूध मिला लीजिए. इसे चेहरे पर लगाने से चेहरा कोमल भी बना रहेगा और साफ भी हो जाएगा.

2. पुदीने की कुछ पत्तियों को मिक्सर में पीस लीजिए. इसमें कुछ मात्रा में दही मिला लीजिए. इस पेस्ट को मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर लगाने से चेहरे के दाग–धब्बे दूर हो जाते हैं.

3. गुलाब जल को मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर लगाने से चेहरे पर निखार आता है. पेस्ट को तब तक चेहरे पर लगा रहने दें जब तक वो सूख न जाए. इस पेस्ट को लगाने से चेहरे पर मौजूद अतिरिक्त ऑयल साफ हो जाता है.

4. पपीते के एक चम्मच गूदे और एक से दो बूंद शहद को मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर पेस्ट बना लीजिए. इस पेस्ट को लगाने से चेहरा निखर जाएगा.

5. चंदन पाउडर में एक चम्मच टमाटर का रस मिला लीजिए. अब इसे मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर पेस्ट तैयार कर लीजिए. इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से दाग–धब्बे दूर हो जाते हैं.

डार्क सर्कल को दूर करने में कारगर

खीरे के रस को मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर एक पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को आंखों के नीचे लगाकर छोड़ दें. जब ये पैक सूख जाए तो इसे धो लें. खीरे के रस और मुल्तानी मिट्टी की ठंडक आंखों को ताजगी तो देगी ही वहीं कुछ ही दिनों में काले घेरे भी दूर हो जाएंगे.

इसके अलावा आप मुल्तानी मिट्टी, बादाम और ग्लसिरीन को मिलाकर एक पेस्ट बना सकती हैं. पेस्ट को आंखों के नीचे लगाकर छोड़ दें. आप चाहें तो इस पैक को पूरे चेहरे पर भी लगा सकती हैं. जब ये सूख जाए तो चेहरे को साफ पानी से धो लें.

आमतौर पर महिलाएं मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग सीधे अपनी त्वचा पर कर लेती हैं. लेकिन अगर आप थोड़ी सी मेहनत और कर लें तो कहीं अधिक बेहतर परिणाम पा सकती हैं. ये चेहरे में कसावट लाने के साथ ही इसे साफ करने में भी बहुत कारगर है.

इसके इस्तेमाल से डेड स्कनि भी साफ हो जाती है. कई बार ऐसा होता है कि मुल्तानी मिट्टी के इस्तेमाल से चेहरा बहुत अधिक ड्राई हो जाता है. ऐसे में इसके इस्तेमाल का ध्यान रखना बहुत जरूरी है.

टेस्टी स्टार्टसः ऐसे बनाएं पनीर टिक्का

स्नैक्स में अगर आप टेस्टी और हेल्दी रेसिपी ट्राय करना चाहते हैं तो पनीर टिक्का की ये रेसिपी बनाना ना भूलें.

स्नैक्स में अगर आप टेस्टी और हेल्दी रेसिपी ट्राय करना चाहते हैं तो पनीर टिक्का की ये रेसिपी बनाना ना भूलें.

सामग्री

1 प्याज
1 शिमलामिर्च
1 छोटा चम्मच अदरकलहसुन का पेस्ट
200 ग्राम पनीर
200 ग्राम हंग कर्ड
2 बड़े चम्मच कश्मीरी मिर्च पाउडर
1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
1/2 छोटा चम्मच हलदी पाउडर
1/2 छोटा चम्मच गरममसाला पाउडर
1 छोटा चम्मच जीरा पाउडर
1 छोटा चम्मच अमचूर पाउडर
1 छोटा चम्मच अजवाइन
1 छोटा चम्मच चाटमसाला
1/2 छोटा चम्मच कालीमिर्च पाउडर
1/2 छोटा चम्मच कालानमक
1.5 छोटा चम्मच नीबू का रस
1 बड़ा चम्मच सरसों का तेल.

विधि

प्याज को छील कर धो लें और चौकोर आकार में 1 से 1.5 इंच के टुकड़ों में काट लें. इसी तरह शिमलामिर्च को भी धो कर 1 से 1.5 इंच के टुकड़ों में काट लें. इन्हें अलग रख दें. आप चाहें तो टमाटर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं. 200 से 250 ग्राम पनीर को चौकोर टुकड़ों में काट कर एक तरफ रख दें.

विधि टिक्का मैरिनेट की

200 ग्राम हंग कर्ड को एक बाउल में डाल कर स्मूद होने तक फेंट लीजिए. अब दही में अदरकलहसुन का पेस्ट, सामग्री में दिए गए सारे सूखे मसाले डाल दीजिए. 1/2 कालानमक और स्वादानुसार सादा नमक मिलाएं. अगर आप के पास कालानमक नहीं है तो इसे छोड़ दें. नीबू का रस और सरसों का तेल डालें. सरसों के तेल के बजाय आप अपनी पसंद के अनुसार दूसरा तेल भी इस्तेमाल कर सकती हैं. सारी चीजों को आपस में अच्छे से मिला लें. अब इस मिश्रण में प्याज, शिमलामिर्च और पनीर डाल कर हलके हाथ से मिक्स करें ताकि सारी चीजों पर मसाला अच्छे से लग जाए और पनीर की शेप खराब न हो. अब इसे फ्रिज में रख कर कम से कम 2 घंटे तक मैरिनेट होने के लिए छोड़ दें.

विधि ग्रिल की

ओवन को 230 या 240 डिग्री सैल्सियस या 464 डिग्री फारेनहाइट पर 15 से 20 मिनट के लिए प्रीहीट करें. बांस की डंडी में पनीर और बाकी सब्जियों को लगाने से पहले उस डंडी को अच्छे से धो लें या चाहें तो उसे कुछ देर पानी में भिगो कर छोड़ दें. उस के बाद ही डंडी में बारीबारी से सब्जियों और पनीर को पिरोएं. ग्रिलिंग या ओवन को प्रीहीट करने के वक्त ध्यान रहे कि आप ओवन के टौप हीट ऐलिमैंट का ही इस्तेमाल करें. उस के बाद आप एक ट्रे में एल्यूमिनियम फौयल लगा कर उस पर अपनी तैयार पनीर टिक्का स्टिक को रखें. चारों ओर थोड़े से तेल से ब्रश कर के पहले से गरम ओवन में ट्रे को सब से ऊपर के रैक पर ही रखें. 7 से 10 मिनट के लिए 230 से 240 डिग्री सैल्सियस या 464 डिग्री फारेनहाइट पर ग्रिल करें.

फिर ट्रे को ओवन से निकाल कर पनीर टिक्का को पलट दें और वापस टौप रैक में रख कर करीब 3 से 5 मिनट के लिए पनीर और सब्जियों के किनारों को सुनहरा या थोड़ा सा जलने तक ग्रिल करना जारी रखें. ज्यादा देर तक ग्रिल न करें वरना पनीर सख्त हो जाता है. चूंकि तापमान अलगअलग ओवन में अलगअलग होता है, इसलिए जांच करती रहें. आप आवश्यकतानुसार समय को घटा या बढ़ा सकती हैं. ग्रिल करने का कुल समय 15 से 20 मिनट होगा. पनीर टिक्का पर चाटमसाला और नीबू का रस छिड़कें और इसे पुदीने की चटनी, प्याज के स्लाइस और नीबू के टुकड़े के साथ परोसें।

युवाओं में सॉलिड ऑर्गन अंग कैंसर के मामलों में वृद्धि है चिंताजनक

बेहतर स्क्रीनिंग और डायग्नोस्टिक टूल के कारण ऐसे कैंसर जिनके बारे में पहले पता ही नहीं चल पाता था, अब उनका शुरुआती चरणों में निदान किया जा रहा हैदुनिया भर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में कैंसर से मृत्यु का आंकड़ा सबसे अधिक माना जाता है. ट्रेडिशनली इस रोग से बड़ी उम्र के लोग अधिक प्रभावित होते है, लेकिन, हाल में ही किये गए अध्ययनों से पता चला है कि कैंसर युवाओं में भी तेजी से फ़ैल रहा है, जिससे चिकित्सा के पेशेवरों और सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठनों में चिंता बढ़ रही है. यूवाओं में खासकर 15 से 19 साल के यूथ में सबसे कॉमन कैंसर ब्रेन ट्यूमर, थाइरोइड कैंसर, मेलिग्नेट बोन ट्यूमर आदि का होना है.

इस बारें में न्यूबर्ग सुप्राटेक रेफरेंस लेबोरेटरी के सीनियर कंसलटेंट डॉक्टर भावना मेहता कहती है कि युवाओं में कैंसर वृद्धि होने की वजह बदलती जीवन शैली, अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक गतिविधियों में कमी, पर्याप्त नींद न होना, पर्यावरण में विषाक्त पदार्थों से प्रदूषण, कीटनाशक, तंबाकू चबाने की आदत, धूम्रपान, शराब आदि है. इनमे सबसे अधिक योगदान शारीरिक गतिविधियों की कमी और अस्वास्थ्यकर आहार का होना है. ये समस्या हर दशक के बाद कम उम्र के लोगों में वृध्दी देखी जा रही है, जो चिंता का विषय है. दरअसल कैंसर का पता बहुत देर से चलना भी एक बड़ी समस्या है, जिससे इलाज में देर हो जाती है, हालांकि यह देखा गया है कि कम उम्र के युवाओं में जल्दी कैंसर का पता लगने पर इलाज संभव होता है, लेकिन यूथ को पहले विश्वास करना मुश्किल होता है कि उन्हें कैंसर है. तक़रीबन 70 हज़ार टीनएजर्स हर साल कैंसर डाग्नोस किये जाते है, जिनमे से 80 प्रतिशत यूथ सालों तक इलाज के बाद सरवाईव कर पाते है और ये एक अच्छी बात है. देर से जानकारी होने की मुख्य वजह निम्न है,

कैंसर के बारे में जागरूकता की कमी,
यूथ होने की वजह से नियमित जांच का न होना,
कैंसर का पता चलने पर किसी से इस बात का न कह पाने की हिचकिचाहट

आर्थिक समस्याएँ आदि है.

बेहतर स्क्रीनिंग और डायग्नोस्टिक टूल के कारण ऐसे

कैंसर जिनके बारे में पहले पता ही नहीं चल पाता था, अब उनका शुरुआती चरणों में निदान किया जा रहा है, लेकिन इन सब के बावजूद, युवा आबादी के लिए कैंसर का ख़तरा बड़े पैमाने पर बना हुआ है. जिन युवाओं के कैंसर का निदान हुआ है उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे, शिक्षा और करियर में बाधा पड़ना, सामाजिक और भावनात्मक कठिनाइयों का होना और परिवार के लिए आर्थिक तनाव में वृद्धि. इसके अलावा कैंसर के कई उपचारों का प्रजनन क्षमता पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है, इसलिए कैंसर से पीड़ित युवाओं को प्रजनन संबंधी अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. इन निम्न समस्याओं के होने पर डॉक्टर की सलाह तुरंत लें,

अचानक वजन का घटना,
थकान का अनुभव करना,
बार–बार बुखार आना,
लगतार दर्द का अनुभव करना,

त्वचा में परिवर्तन दिखाई पड़ना, मसलन तिल में बदलाव का दिखना, पीलिया का संकेत दिखाई देना आदि है. इसके आगे डॉ. भावना कहती है कि कैंसर किसी भी अन्य बीमारी की तरह है और किसी को भी हो सकती है, लोगों को परिवार और समाज में भी इसके बारे में खुलकर चर्चा करनी चाहिए. कैंसर जैसी बीमारी के बारे में बात करने से होने वाली झिझक समाप्त होना बेहद जरूरी है. यह बात हर किसी को पता होनी चाहिए कि कैंसर का डाग्नोस जितना शुरुआती चरण में होता है, उपचार की प्रक्रिया और उसका असर बेहतर होता है. और कुछ कैंसर पूरी तरह निदान योग्य हैं. युवा आबादी देश का भविष्य है और उन्हें बचाना सभी की जिम्मेदारी है. सही जीवन शैली अर्थात जल्दी उठना और जल्दी सोना, स्वस्थ और संतुलित आहार लेना, किसी भी रूप में दैनिक शारीरिक गतिविधियों जैसे टहलना, स्ट्रेचिंग व्यायाम, योग और सबसे बड़ी बात, ऐसा वातावरण बनाना जहां कोई भी बिना किसी हिचकिचाहट के कैंसर के बारे में बात कर सके और प्रारंभिक निदान और उपचार के लिए स्वास्थ्य पेशेवरों और शोधकर्ताओं द्वारा किए गए प्रयास का लाभ उठा सके.

सूरजगढ़ में स्वदेशी मेला कार्यालय का भव्य उद्घाटन

16 से 26 जनवरी तक लगेगा स्वदेशी मेला, आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी मजबूती

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में आगामी 16 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले स्वदेशी मेले के सफल संचालन हेतु मेला कार्यालय का भव्य उद्घाटन समारोह सोमवार को गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। मेला कार्यालय का उद्घाटन महंत बालकनाथ (विधायक, तिजारा), महंत सूरजनाथ, लोकेंद्र सिंह नरुका (जयपुर प्रांत समन्वयक), डॉ. अशोक सिंह शेखावत (झुंझुनूं विभाग संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) एवं नगरपालिका चेयरमैन पुष्पा सेवाराम गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। उद्घाटन अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने स्वदेशी आंदोलन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वदेशी मेला स्थानीय कारीगरों, लघु एवं कुटीर उद्योगों को सीधा बाजार उपलब्ध कराएगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बल मिलेगा। वक्ताओं ने कहा कि विदेशी उत्पादों पर निर्भरता घटाकर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना ही देश की आर्थिक सशक्तता का मार्ग है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महंत बालकनाथ ने कहा

कि स्वदेशी जागरण मंच का यह प्रयास समाज में आर्थिक राष्ट्रवाद की चेतना को जागृत करेगा। वहीं लोकेंद्र सिंह नरुका ने मेले की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि मेले में स्वदेशी, ग्रामीण एवं कुटीर उद्योगों के उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जो आमजन के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। डॉ. अशोक सिंह शेखावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वदेशी केवल आर्थिक विषय नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय स्वाभिमान और सांस्कृतिक चेतना से जुड़ा हुआ विचार है। नगरपालिका चेयरमैन पुष्पा गुप्ता ने नगरवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं और स्थानीय उत्पादकों को प्रोत्साहन दें। स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, विचार गोष्ठियां तथा विविध स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी आयोजित की जाएंगी, जो सभी वर्गों के लिए उपयोगी एवं प्रेरणादायी होंगी।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व विधायक सुभाष पुनिया, बालकृष्ण शर्मा (झुंझुनूं विभाग संयोजक), ब्रह्मदत्त मीणा (विभाग सह संयोजक), मेला प्रमुख विक्रम सिंह राठौड़, डॉ. दशरथ सिंह (भाजपा प्रदेश प्रवक्ता), विकास शर्मा, महेंद्र सैनी (सेवा भारती), अनिल गुप्ता (चिड़ावा जिला संघचालक), संदीप शर्मा (सह जिला संघचालक), सुरेंद्र तंवर (सूरजगढ़ संघचालक), इंद्रपाल यादव (बुहाना संघचालक), प्रभु वर्मा, संत कुमार सैनी, उमराव, जिला प्रचारक योगेश, राकेश शर्मा, कृष्ण सैनी, मनोज शर्मा सहित स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहें। अंत में राष्ट्रहित, स्वदेशी भावना एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

सीएसआईआर-सीरी की चार प्रौद्योगिकियाँ और एक उत्पाद उद्योगों को हस्तांतरित

डीएसआईआर स्थापना दिवस पर सीरी की 'लैब-टू-मार्केट' पहल को मिली नई गति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

डीएसआईआर स्थापना दिवस के अवसर पर नई दिल्?ली मेंआयोजित कार्यक्रम में सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधानसंस्थान (सीएसआईआर-सीरी), पिलानी द्वारा विकसित चार स्वदेशीप्रौद्योगिकियों के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं एक उत्पाद लोकार्पण का कार्यक्रमआयोजित किया गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथापृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह; भारतसरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय सूद, सीएसआईआर की महानिदेशक एवं डीएसआईआर सचिव डॉ. एन. कलैसेल्वी तथा सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया कीगरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इसके अलावा इस अवसर पर सहित डीएसआईआर, सीएसआईआर परिवार सहित अन्यप्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रहीं। इस अवसर पर एआई-सक्षम पुनः उपयोग योग्य वाइटल्स मॉनिटरिंग पैच, जो निरंतर एवं दूरस्थ स्वास्थ्यदेखभाल को सक्षम बनाते हैं; एन्डो ट्राई फ्लो उन्नत फ्लूड मैनेजमेंट सिस्टम, जो न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी मेंसुरक्षा और सटीकता को बढ़ाता है; दूध कीगुणवत्ता के त्वरित एवं विश्वसनीय परीक्षण हेतु एमबीआरटी एनालाइज़र; तथा पीएक्स4 आधारित ड्रोन फ्लाइट कंट्रोलर, जो वाणिज्यिक एवं अनुसंधानअनुप्रयोगों में मेक-इन-इंडिया यूएवी क्षमताओं को सुदृढ़ करता है, शामिल रहे। इसके साथ ही जल जीवन मिशन के अनुरूप विकसित एक आईओटी-सक्षम, फील्ड-डिप्लॉयबल डिजिटल जलगुणवत्ता परीक्षण किट 'जल प्रयोगशाला' का भी लोकार्पण किया गया, जो वास्तविक समय में जल गुणवत्तानिगरानी और इस संबंध में बेहतर परिणाम देने में सहायक होगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ जितेन्?द्रसिंह ने डॉ पंचारिया और टीम सीरी की प्रशंसा करते हुए प्रौद्योगिकी को उद्योगों केमाध्यम से बाजार तक पहुँचाने की 'लैब टु मार्केट' अवधारणा की प्रशंसा की।

'सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित ये प्रौद्योगिकियाँ 'लैब से मार्केट' की अवधारणा को साकार करती हैं और स्वास्थ्य, जल, कृषि-डेयरी तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ बनाती हैं। उद्योग के साथ यह सहयोग 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन की दिशा में एक ठोस कदम है।'

- डॉ.पी.सी. पंचारिया, निदेशक,सीएसआईआर-सीरी

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन में अहम नियुक्ति, शाहपुरा विधानसभा ब्लॉक अध्यक्ष बने बलवंत सिंह खामोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.शाहपुरा(भीलवाड़ा)।

राजेन्द्र खटीक । शाहपुरा-राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, राजस्थान द्वारा संगठन को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है। संगठन के प्रदेश महासचिव (संगठन) केशव तिवारी द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार बलवंत सिंह खामोर को शाहपुरा विधानसभा ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति दो वर्ष अथवा आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। यह नियुक्ति राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनील पंवार, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सी.बी. यादव एवं राष्ट्रीय

प्रभारी के अनुमोदन से की गई है। उल्लेखनीय है कि बलवंत सिंह खामोर वर्तमान में प्रशासक विजय भंवर कंवर के पति हैं तथा क्षेत्र में एक सक्रिय समाजसेवी के रूप में उनकी पहचान है। वे लंबे समय से सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहे हैं और जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। बलवंत सिंह खामोर का कहना है कि संगठन द्वारा सौंपी गई यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जवाबदेही भी है। वे कांग्रेस पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने, पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने तथा आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। इस नियुक्ति से शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नियुक्ति की सूचना मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने बलवंत सिंह खामोर को बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

सावित्री बाई फुले की जयंती पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.शाहपुरा (भीलवाड़ा)।

राजेन्द्र खटीक । शाहपुरा-अम्बेडकर विचार मंच संस्थान तहसील-फूलियाकलां के तत्वावधान में समाज सेविका व प्रथम भारतीय महिला सावित्री बाई फुले की जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन नई अरवड के सांगरिया चोराये पर किया गया।शिविर में सामाजिक सरोकार और मानवीय सेवा की मिसाल पेश करते हुए कुल 97 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर में फूलियाकलां क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में युवाओं एवं रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।आयोजन स्थल पर सुबह से ही रक्तदाताओं की लम्बी कतारे देखने को मिली।आयोजको द्वारा रक्तदाताओं के लिए समुचित चिकित्सा सुविधा, स्वल्पाहार एवं विश्राम की व्यवस्था की गई।इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने माता सावित्री बाई फुले के जीवन, उनके संघर्ष और समाज सुधार में दिए गए योगदान को याद किया।कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक प्रत्याशी नरेन्द्र रेगर,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महावीर कुमावत अरवड,अम्बेडकर विचार मंच संस्थान के जिलाध्यक्ष सुरेश चन्द्र घुसर,समाज सेवक राजेन्द्र खटीक,बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष रामदयाल आर्टिया, मनीष आर्टिया, अम्बेडकर विचार मंच ब्लॉक अध्यक्ष हंसराज रेगर कनेचन कला,भीम आर्मी अभिषेक खटीक, दीपक खटीक, समाज सेवक सावन आर्टिया आदि सदस्य उपस्थित रहें।

भोजनगर गांव की नाबालिग अपहरण पीड़िता की मां भूख हड़ताल पर

जिला कलेक्ट्रेट के सामने धरना पहले दिन भी जारी, प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंचे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

भोजनगर गांव की नाबालिग बालिका के अपहरण मामले में न्याय की मांग को लेकर पीड़िता की मां कमला देवी सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट झुंझुनूं के सामने दिन-रात की भूख हड़ताल पर बैठ गई।धरना-प्रदर्शन व भूख हड़ताल का यह पहला दिन रहा, लेकिन जिला प्रशासन का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पीड़ित परिवार की सुध लेने नहीं पहुंचा। कैलाश दास महाराज सारी धाम ने जानकारी देते हुए बताया कि भोजनगर गांव की नाबालिग बच्ची के अपहरण का नामजद मुकदमा पुलिस थाना गोठड़ा में दर्ज है, लेकिन लगभग 108 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं और अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि मजबूर होकर पीड़िता की मां कमला देवी को भूख हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा है। कमला देवी ने स्पष्ट किया है कि जब तक उसकी नाबालिग पुत्री का पता नहीं लगाया जाता, तब तक वह लगातार भूख हड़ताल पर बैठी रहेंगी। धरना-प्रदर्शन के दौरान झुंझुनूं जिले के कई सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पीड़ित परिवार को समर्थन देने पहुंचे। भीम आर्मी जिला अध्यक्ष विकास आल्हा ने पीड़ित परिवार को समर्थन देते हुए शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की। वहीं यूथ यूनियन

राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष लोकेश झाझड़िया ने भी प्रशासन से मामले में तुरंत प्रभावी कार्रवाई करने की अपील की।

धरना स्थल पर किशनलाल नायक, पितराम कालेर, मदन सिंह यादव, श्यामलाल कालेर, महेंद्र फौजी (आसपा नेता), धर्मपाल सिंह डारा, दारासिंह (पूर्व सरपंच), चिंटु कुमावत, रवि सीरसवा, कमलेश काला, सुनील सीरसवा, अजय वर्मा, नूवा भीम आर्मी अध्यक्ष मडावा, रामशरण कायल (परसरामपुरा), यश शर्मा, दिनेश चौधरी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहें। कैलाश दास महाराज सारी धाम ने बताया कि धरना-प्रदर्शन और भूख हड़ताल मंगलवार को भी जारी रहेगी। उन्होंने झुंझुनूं जिले के सर्व समाज एवं सभी सामाजिक संगठनों से अपील की कि वे मंगलवार सुबह 11 बजे जिला कलेक्ट्रेट झुंझुनूं पहुंचकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के इस आंदोलन में सहभागिता करें।

सुजान सिंह ने जीता हॉकी लीजेंड स्मृति कप 2026

भीम प्रज्ञा न्यूज़.शाहपुरा।

शाहपुरा-राजेन्द्र खटीक । रविवार को स्वर्गीय घनश्याम कोली, स्वर्गीय नंदलाल नायक, स्वर्गीय पंकज जैन, स्वर्गीय चेतन घुसर, स्वर्गीय अर्जुन सोलंकी की स्मृति में तीन दिवसीय हॉकी लीजेंड स्मृति कप 2026 प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि विधायक डॉ लालाराम बैरवा थे, नगर पालिका अध्यक्ष रघुनंदन सोनी, भाजपा नगर अध्यक्ष पंकज सुगंधी, जिला मंत्री राजेंद्र बोहरा, पूर्व पालिका अध्यक्ष कन्हैया लाल धाकड़, महामंत्री जितेंद्र पाराशर, पवन सुखवाल, नटवर खटीक, विट्ठल शर्मा, खुशीराम आचार्य, वॉलीबॉल कोच डॉ भगवत सिंह कानावत अतिथि थे। आयोजन समिति के हॉकी खिलाड़ी जमना लाल कोली ने बताया कि क्षेत्र में हॉकी को पहचान दिलाने वाले और नए खिलाड़ियों को तैयार करने वाले दिवंगत कोच घनश्याम कोली, शारीरिक शिक्षक नंदलाल नायक, पंकज जैन , राष्ट्रीय खिलाड़ी चेतन घुसर व अर्जुन सोलंकी की स्मृति में 8 टीमों के 144 खिलाड़ियों ने भाग लिया। फाइनल मैच सुजान सिंह वर्सेज लक्ष्मी दत्त कांटिया के बीच खेला गया। जो बहुत ही रोमांचकारी व कांटेदार टक्कर का रहा 1=1 के स्कोर से मैच बराबर रहा फिर पेनल्टी शूटआउट में सुजान सिंह टीम 2=1 लक्ष्मी दत्त

कांटिया टीम को हराकर विजेता बनी। इस दौरान विधायक ने भी मैच का आनंद लिया। टूर्नामेंट ऑफ द प्लेयर दिनेश नायक और मैन ऑफ द मैच महेंद्र कहार रहे।मंच संचालन कै कोली कंपाउंडर ने किया इस दौरान हॉकी के सीनियर मुबारिक अली, गणपत घुसर,दुर्गेश सेन, सुशील गौड़, गोपाल गौड, निशांत चौहान,सुनील कोली, दिनेश नायक , मुकेश घुसर ,दिनेश खटीक,दीपक सेन, विजय गुर्जर नितिन कोठारी, महेंद्र कोली ,आशीष कोली,किशन कहार , कुलदीप कोली, सिद्धांत घुसर, राहुल चांवला, राहुल कोली, नरेश खटीक, अक्षय कोली, उमराव कोली आदि मौजूद रहें।

बच्चों की शिक्षा की नींव को मजबूत करे शिक्षकगण:डीसी

डीसी ने ली निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिला स्टीयरिंग कमेटी की बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि निपुण भारत के सपने को नई शिक्षा नीति के अनुरूप साकार करते हुए सभी बच्चों को पढना व गणना करना सीखना बेहद जरूरी है। ऐसे में स्कूली विद्यार्थियों को खेल के साथ गुणात्मक शिक्षा देने की दिशा में सरकार के प्रभावी कदम उठा रही है। डीसी अभिषेक मीणा सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिला स्टीयरिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जानकारी दे रहे थे। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने व शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए राज्य में निपुण हरियाणा मिशन शुरू किया गया है। डीसी ने कहा कि इस कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए अधिकारियों की कमेटी भी बनाई गई है, जो प्रत्येक तीन माह में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि हमें बच्चों की शिक्षा की नींव को मजबूत करने व बच्चे आगामी

कक्षाओं में विशेष रूचि लेकर जहां शिक्षा ग्रहण कर सकें वहीं कक्षा का सत्र पूरा होने से पूर्व छोडने पर अंकुश लगाना है। उन्होंने बताया कि इस मुहिम के तहत कमेटी के सदस्य स्कूलों में बच्चों की स्किल पास बुक का अवलोकन करेंगे तथा बच्चों में हुए ज्ञानवर्धन को अंकित करेंगे। डीसी अभिषेक मीणा ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालय समय में पूरे दिन स्कूल में रहकर अध्यापकों द्वारा करवाई जा रही शिक्षा की निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों के लर्निंग आउट पर विशेष फोकस किया जाए। उन्होंने कहा कि जिस अध्यापक की प्रफोमेंस अच्छी नहीं होगी उनकी एसीआर में माईनस 10 मार्क्स जोड़े जाएंगे, जो उनकी ट्रासफर पोलिसी में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिला में अच्छा कार्य करने वाले अध्यापकों की भी सूची तैयार की जाए ताकि उन्हें सम्मानित किया जा सके और दूसरों को प्रेरित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार के स्कूलों में एबीआसी व बीआरपी द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार अपने ब्लॉक का एक्शन प्लान तैयार कर विद्यार्थियों के लर्निंग आउटकम्स को बेहतर बनाने का प्रयास करें ।

जिला एफएलएन समन्वयक चरण सिंह ने बताया कि निपुण हरियाणा मिशन के तहत मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता का प्रशिक्षण जिले के सभी प्राथमिक अध्यापकों को करवाया जा चुका है और सभी अध्यापक एफएलएन के दिशा-निर्देशानुसार अध्यापन करवा रहे हैं। इसके अतिरिक्त 7 जनवरी से जिले में रेमेडियेशन प्रशिक्षण भी सभी अध्यापकों को दिया जाएगा । आवश्यक शिक्षण सामग्री का वितरण करते हुए शिक्षकों को प्रेरित भी किया जा रहा है। बच्चों की शिक्षा में सुधार लाने का प्रयास किया जाएगा। निपुण हरियाणा मिशन को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने में शिक्षा विभाग की ओर से सक्रिय भूमिका निभाई जाएगी। राज्य परियोजना क्रियान्वयन इकाई की सदस्या अंजलि व एफएलएन समन्वयक द्वारा पॉवर प्रेजेंटेशन के तहत विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर एडीसी राहुल मोदी, जिला शिक्षा अधिकारी बिजेंद्र हुड्डा, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार दहिया सहित सभी खंड शिक्षा अधिकारी व कमेटी के सदस्यगण मौजूद रहें।

पेड़ो की अवैध कटाई को लेकर उद्वेलित हुए पर्यावरण प्रेमी सरकार को सौंपे ज्ञापन

दो फरवरी से आरपार की लड़ाई,सरकार आन्दोलन को हल्के में ना लें,परिणाम भुगतने को तैयार रहें- धरना संयोजक रामगोपाल बिशनोई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । आज जिला कलक्टर बीकानेर के मार्फत राज्य सरकार को दो फरवरी महापड़ाव से पहले खेजड़ी कटाई पर पूर्णतया रोक लगाने को लेकर चेतावनी के तौर पर ज्ञापन देकर आगाह किया। धरना संयोजक रामगोपाल बिशनोई ने कहा कि दो फरवरी से आरपार की लड़ाई होगी, सरकार आन्दोलन को हल्के में ना लें,गम्भीर परिणाम भुगतने को तैयार रहें,हम खेजड़ी बचाने के लिए छाती पर गोली खाने को तैयार हैं। युवा साथी विजयपाल डेलू ने बताया की आज पूरे राजस्थान में एक साथ

जिला मुख्यालय और तहसील मुख्यालय पर मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन दिया और कहा की सरकार ने खेजड़ी व अन्य पेड़ कटाई की सजा समाप्त कर कटाई का रास्ता सोलर कंपनिया व सोलर दलालो के लिए सुगम किया है। सेवानिवृत नायब तहसीलदार हनुमानाराम बेनीवाल ने कहा कि हम माँ अमृता देवी की सत्रहवीं पीढ़ी के वंशज है खेजड़ी के लिए बलीदान देने को तैयार हैं ह्व ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व स्वामी रामपाल जी महाराज आनंद आश्रम ओर स्वामी शुक्राचार्य जी महाराज श्री गुरु जम्भेश्वर मंदिर ने किया। ज्ञापन देने में उपस्थित मातृ शक्ति ओर गणमान्य लोग

सिंवरी चौधरी, गुड्डी देवी पूर्व पार्षद, नेशनल साइक्लिस्ट निकिता,सन्तोष देवी डेलू, चावली देवी धारणिया, मुन्नीदेवी भाट, गुड्डीदेवी डेलू,कमला भादू,लिछमा भादू रामसिंह पंवार, शिवदान मेघवाल, भँवर कूकणा (कांग्रेस यूथ जिला अध्यक्ष) सज्जन कुमार बेनीवाल, हरिराम खीचड़, सहीराम पूनिया मिठड़िया, विजयपाल डेलू,रामदेव मेघवाल, महीराम दिलोईया,रामप्रताप वर्मा, ताहिर खान, गंगाबिशन सियाग, गिरधारी कूकणा, रामरतन डेलू, गोपीचन्द धायल, अरूण कुमार वैध, सरदार दरबारा सिंह,रामचन्द्र माल, रेवन्तराम मेघवाल, ओमप्रकाश खीचड़ कुचौर, मूलचन्द खत्री,? इंजि.ओमप्रकाश बिशनोई, भगवाना राम डेलू, रामसिंह राहड़, हनुमान काकड़, पद्म प्रेमरतन जोशी,बुधराम गोदारा, सांवर लाल, सुभाष देहड्ड हंसराज फौजी, सत्यनारायण कुलड़िया, पूनमराम रिख,देवीसिंह भाटी, जगदीश जोशी, रामचन्द्र बेनीवाल, हनुमान पूनिया, प्रभुदयाल सारस्वत, महेन्द्र भादू,मालूराम चौधरी, जयकिशन गहलोत,मेघराज रेगर, टीकूराम चौधरी,गोकुलराम बिशनोई, विमलराय आचार्य व चौथाराम सीगड़ सहित सैंकड़ों की संख्या में उपस्थित रहें।

'खेलकूद प्रतियोगिता आयोजन से समाज की प्रतिभाऐ निखारती हैं' राधेश्याम मेघवाल

मेघवाल समाज की तृतीय कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चित्तौड़गढ़।

मेघवाल समाज बाबा रामदेव मित्र मंडल पायरी द्वारा आयोजित तृतीय कबड्डी प्रतियोगिता का समापन समारोह रविवार को गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। बसपा प्रदेश सचिव एवं जोन प्रभारी राधेश्याम मेघवाल जलोदा जागीर, सावा सरपंच प्रतिनिधि कालूराम मेघवाल, सामाजिक कार्यकर्त्ता शंकरलाल मेघवाल बिलड़ी, हेमराज मेघवाल, प्रदीप मदनिया, सोहन लाल मेघवाल मिन्नाणा, मेघराज जाट, सुनील जाट, बलवंत राज, राजेंद्र सिंह मिनाना, शंकर सिंह शक्तावत, भंवरलाल जाट साथ ही मेघवाल समाज के वरिष्ठ नागरिक घिसा लाल, मोहनलाल, प्रभु लाल, बगदी राम, भैरूलाल, उदय लाल नारायण लाल, धनराज, रतनलाल आदि समाज जन इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और प्रतिभागियों को प्रेरित किया। बाबा रामदेव मित्र मंडल के किशन लाल, लाभचंद, हेमराज, राजमल, रतनलाल, प्रहलाद, नारायण लाल, गोपाल,

उदय राम, भैरूलाल, किशन लाल, दिनेश, देवीलाल, लेहरू, रमेश, पारसमल, कालूराम, मदनलाल, पप्पुलाल आदि कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का अपर्णा पहनकर स्वागत किया। आयोजन कर्ता यश मेघवाल ने बताया कि कबड्डी की कुल 18 टीमों ने भाग लिया फाइनल मुकाबला भाटो का मिन्नाणा एवं पायरी के बिच खेला गया। फाइनल मुकाबला भाटो का मिन्नाणा विजय रहा उपविजेता मेजबान टीम पायरी रही। कबड्डी टूर्नामेंट कुलदीप सिंह चौधरी, शांतिलाल कीर रेफरी का काम बेखुबी निभाया। कार्यक्रम के दौरान, मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतियोगिता के विजेता सोहनलाल मेघवाल की टीम एवं यशवंत मेघवाल की टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मेघवाल समाज एवं कर समाज के ग्रामीण उपस्थित थे।

हरसोलिया राज्य स्तरीय सावित्री बाई फुले सम्मान-2026 से हुए सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

भारतीय दलित साहित्य अकादमी राजस्थान महिला प्रकोष्ठ के द्वारा 3 जनवरी को सावित्री बाई फुले की जयंती पर राज्य स्तरीय 7वाँ सावित्री बाई फुले एवं फातिमा शेख सम्मान समारोह-2026, साइंस पार्क ऑडिटोरियम, शास्त्री नगर जयपुर में आयोजित समारोह में जिला विधिक प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा, समाज कल्याण विभाग राजस्थान की पूर्व अध्यक्षा अर्चना शर्मा, बसंत कुमार हरियाणा, भारतीय दलित अकादमी के राष्ट्रीय सचिव बाबूलाल निर्मल, अकादमी के प्रदेश महासचिव भोमाराम बोस, हेमंत मीमरोठ, सुमन देवठिया, राजस्थान एकल नारी एवं महिला मंच की संरक्षक डॉ. मीता सिंह, सुप्यार चारण, चुन्नीलाल कुमावत, ओमप्रकाश, भारतीय दलित साहित्य अकादमी राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा हेमलता कांसोटिया आदि अतिथियों ने चौमूं तहसील के ग्राम टांकरडा निवासी व बलाई विकास समिति जयपुर, मुख्यालय-चौमूं के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया को समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सावित्री बाई फुले सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। हरसोलिया को सावित्री बाई फुले सम्मान-2026 से सम्मानित होने पर सर्व समाज-बंधुओं ने हर्ष जताया।

राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ सीकर द्वारा नव वर्ष स्नेह मिलन समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खंडेला।

सुमेर मीणा । राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ सीकर द्वारा नव वर्ष स्नेहमिलन समारोह दिनांक 4 जनवरी 2026 रविवार को पलासिया धाम ग्राम सूजाना तहसील खंडेला में आयोजित हुआ । कार्यक्रम के अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र मीणा ने की। पलासिया धाम के महंत महाराज तारा दास जी के पावन सानिध्य प्राप्तहुआ। संगठन के जिला महामंत्री प्यारेलाल मीणा द्वारा सभा का संचालन किया गया। इस मौके पर जिला संरक्षक शिवलाल मीणा, जिला अध्यक्ष वीरेंद्र मीणा, ज्ञान प्रकाश झरवाल हरदास का बास, एडवोकेट राजेंद्र कुमार मीणा छाजना, खंडेला अध्यक्ष मूलचंद मीणा सीलपुर, रिंग्स तहसील अध्यक्ष हनुमान दादियारामपुरा, महामंत्री विनोद मीणा फतेहपुरा, दिलीप कुमार मीणा ,पूरणमल मीणा, जगमाल सिंह मीणा नया बास, हरि राम मीणा पुराणावास आदि कई लोगों ने विचार व्यक्त किये।इंद्र जी मीणा डोकण, सुभाष चंद्र मीणा कंचनपुर, रतनलाल मीना दुल्हेपुरा, एड. विनोद कुमार निमेड़ा नेतराम मीणा फतेहपुरा, जगदीश प्रसाद मीणा, मालीराम मीणा अध्यक्ष पाटन उमेश कुमार मीणा रामनिवास मीणा रिंग्स भुलेश कुमार मीणा भोजपुर धुंड सिंह मीणा सीलपुर रामस्वरूप मीणा हमीरपुर ओमप्रकाश मीणा कंचनपुर रोहिताश मीणा जोरावर नगर बाबूलाल मीणा सुजान सुभाष चंद्र मीणा पिपलोदा का बस महेंद्र कुमार मीणा कंचनपुर मंगलचंद मीना शैलेंद्र , विमल कुमार मीणा गुरारा महिपाल मीणा गोविंदपुरा श्यामलाल मीणा गोविंदपुरा रवि मीणा प्रचार मंत्री पिपलोदा का बास महेश कुमार मीणा छाजना लीलाधर मीना हमीरपुर धर्मपाल कैलाश चंद हीरालाल मीणा होद मुकेश कुमार सुरेश कुमार मीणा गोविंदपुरा महेश कुमार पप्पू राम सुनील कुमार मीणा मुनेश कुमार रामचंद्र मीणा प्रीतमपुरी और अन्य सैकड़ो लोग उपस्थित हुए। इस मौके पर कई पारिवारिक विवादों में समझाइस की गई। समाज में शिक्षा रोजगार को बढ़ावा देने हेतु चर्चा की गई । मृत्यु भोज लगभग पूर्णतया बंद हो चुका है अब आगे दहेज प्रथा टिका प्रथा आदि पर चर्चा की गई।आयोजन की संपूर्ण जिम्मेदारी खंडेला तहसील कार्यकारिणी द्वारा निर्वहन की गई।

संगठन के जिला अध्यक्ष श्रीमान वीरेंद्र मीना ने बताया कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए सामाजिक सदस्यों का सहयोग अति आवश्यक है आप सभी लोग सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहे और उपस्थित मीना सरदारों का आभार और धन्यवाद व्यक्त किया।

लबाना होम्स सोसायटी में रेजिडेंसी वेलफेयर एसोसिएशन का गठन, सर्वसम्मति से कार्यकारिणी घोषित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । लबाना होम्स अफॉर्डेबल हाउसिंग सोसायटी में फ्लैट मालिक एवं निवासियों की आम बैठक आयोजित की गई, जिसमें रेजिडेंसी वेलफेयर एसोसिएशन (RWA) का विधिवत गठन किया गया। सर्वसम्मति से गठित आरडब्ल्यूए की कार्यकारिणी में मनोज कुमार को अध्यक्ष, कप्तान वीरेंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष, रूप किशोर बेनीवाल को उपाध्यक्ष और रीना सिंह को सचिव मनोनीत किया गया है। एसोसिएशन ने जनवरी माह से विधिवत रूप से कार्य प्रारंभ कर दिया है। आरडब्ल्यूए के गठन से सोसायटी निवासियों को अब सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ अपने मुद्दों पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलेगी। बैठक के दौरान सोसायटी को और अधिक सुव्यवस्थित एवं बेहतर बनाने को लेकर निवासियों से सुझाव भी लिए गए और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। निवासियों ने आरडब्ल्यूए गठन को सोसायटी के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर सोसायटी के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

राज्य सरकार के दो वर्षः उदयरामसर के सार्वजनिक वाचनालय में वितरित किया साहित्य

सरकार की योजनाओं की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राज्य सरकार का दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर प्रकाशित प्रचार साहित्य वितरण के अभियान सोमवार को जारी रहा। इस दौरान ग्राम पंचायत उदयरामसर द्वारा संचालित सार्वजनिक वाचनालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक हरि शंकर आचार्य ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में गत दो वर्षों मे किए गए कार्यों, उपलब्धियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का संकलन किया गया है। राज्य सरकार द्वारा युवाओं, किसानों, महिलाओं, श्रमिकों, वृद्धजनों सहित प्रत्येक वर्ग के लिए इस दौरान ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने विभाग की मासिक पत्रिका सुजस, व्हाट्सऐप ग्रुप, वेबसाइट आदि की जानकारी दी और अभियान के बारे में बताया। जिला परिषद के आईईसी कॉर्डिनेटर गोपाल जोशी ने बताया कि जिला कलक्टर की पहल पर ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए सार्वजनिक वाचनालय युवाओं के लिए लाभदायक साबित हो रहे हैं। यहां युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बेहतर वातावरण मिल रहा है। उन्होंने युवाओं से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान युवाओं के प्रश्नों के जवाब दिए गए।

नीमराणा पुलिस की कार्रवाई, तीन बदमाशों को जुलूस के रूप में निकाला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराणा पुलिस ने रोडवाल गांव में हुई फायरिंग और दहशत फैलाने की घटना के खुलासे के बाद तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। माजरीकलां क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई में अंकित उर्फ शूटर, सोनू उर्फ बाबा और मनोज उर्फ लहरी नामक आरोपियों को जुलूस के रूप में निकाला गया। पुलिस ने आरोपियों को उन्हीं रास्तों से गुजारा, जहां उन्होंने बोलेरो दौड़ाते हुए ग्रामीणों को धमकियां दी थीं और हवाई फायरिंग कर भय का माहौल बनाया था। इस परेड का मुख्य उद्देश्य आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करना और अपराधियों में कानून का भय स्थापित करना था। पुलिस परेड के दौरान आरोपियों को गांव के मुख्य मार्गों और घटनास्थलों से गुजारा गया। इस जुलूस को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस कार्रवाई के दौरान जापानी जोन औद्योगिक क्षेत्र चौकी के प्रभारी एसआई मनोहरलाल मीणा सहित पर्याप्त पुलिस बल तैनात था। पुलिस की सख्ती के चलते तीनों बदमाश जुलूस के दौरान अपनी घटना को लेकर आमजन से माफी मांगते नजर आए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में शांति भंग करने और दहशत फैलाने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की।

बंजारा बस्ती के लोगों का आक्रोशः एस आई आर प्रक्रिया में नाम नहीं जोड़ने पर SDM कार्यालय पर प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । राजकीय चिकित्सालय के समीप नीमराना बंजारा बस्ती में रहने वाले लोगों का नाम वोटर लिस्ट से बाहर होने पर आक्रोश फैल गया है। बंजारा बस्ती के करीब 270 वोट एस आई आर प्रक्रिया से बाहर हो रहे हैं, जिससे लोगों में रोष है। सोमवार को बंजारा बस्ती के लोगों ने एसडीएम कार्यालय पर एकत्रित होकर अपनी समस्या बताई। नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी, कर्मपाल सिंह चौहान, विष्णु सोनी, सुनील शर्मा, बाबूलाल पीटीआई, संजय यादव, इन लोगों ने बंजारा के लोगों रमेश, नेता देवी, गंगा देवी, हजारीलाल, श्याम, जाट, नई देवी, जगदीश, प्रेम देवी, उपमा देवी, सुमित, मीरा, महावीर, श्रवण, मांगीलाल सहित अनेक लोगों के साथ जाकर एसडीएम को इन लोगों की समस्या से अवगत कराया। उपखंड अधिकारी ने उच्च अधिकारियों से बात कर समाधान करने के लिए आश्वस्त किया है। लोगों का कहना है कि वे पिछले 30 वर्षों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं, लेकिन फिर भी उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं जोड़ा गया है। इस प्रदर्शन के दौरान लोगों ने अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। लोगों का कहना है कि वे अपने अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे और जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होता, तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा।

मंडावर में बंदरों का आतंक बेकाबू, उत्पाती बंदरो ने पूर्व पार्षद पर किया जानलेवा हमला किया गंभीर घायल

प्रशासन मौन–मीडिया से मुँह फेरती अफसरशाही पर गंभीर सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर नगरपालिका क्षेत्र में बंदरों का उत्पात अब उस खतरनाक मुकाम पर पहुँच चुका है जहाँ यह समस्या केवल घरेलू सामान या खाद्य वस्तुओं के नुकसान तक सीमित नहीं रही, बल्कि आम नागरिकों के जीवन के लिए सीधा खतरा बन चुकी है। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि उत्पाती और खूंखार बंदरों के हमलों में लोग गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं और बीते दिनों में कुछ मामलों में तो मौत तक हो चुकी है, इसके बावजूद जिम्मेदार स्थानीय शासन व प्रशासनिक तंत्र की चुप्पी लगातार सवालों के घेरे में है। सोमवार को इसी क्रम में शहर के पूर्व पार्षद काडूसिंह राजपूत अपने घर पर पूजा की तैयारी के दौरान बर्तन धो रहे थे, तभी अचानक बंदरों का एक बड़ा झुंड वहाँ आ धमका और उन पर जानलेवा हमला कर दिया। बंदरों ने उनके हाथ और पैर को बुरी तरह काट लिया और काफी देर तक हमला जारी रखा।चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए और बड़ी मुश्किल से बंदरों को भगाया। गंभीर रूप से घायल काडूसिंह को परिजन तत्काल निजी साधन से सरकारी सीएचसी मंडावर लेकर पहुँचे, जहाँ चिकित्सा टीम ने प्राथमिक उपचार के बाद गहरे घावों पर टांके लगाकर मरहम-पट्टी की। उपचार के बाद उन्हें घर लाया गया, लेकिन घटना ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। यह कोई एकल घटना नहीं है हाल ही के दिनों में मंडावर पालिका क्षेत्र में दर्जनों लोग बंदरों के हमलों का शिकार हो चुके हैं। कोई गंभीर रूप से घायल हुआ तो किसी ने अपनी जान गंवाई। इसके बावजूद न तो नगरपालिका प्रशासन हरकत में दिख रहा है और न ही उपखंड स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई होती नजर आ रही है। इससे आक्रोशित आमजन, सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों ने कई बार लिखित शिकायतें देकर उत्पाती बंदरों से निजात दिलाने की मांग की, पर हर बार फाइलें दफ्तरों में ही दम तोड़ती रहीं। अभी कुछ दिनो पूर्व सैकड़ों ग्रामीण महिलाएँ कांग्रेस शहर अध्यक्ष एडवोकेट विक्रम सिंह गुर्जर के नेतृत्व में मंडावर उपखंड कार्यालय पहुँचीं और नगरपालिका प्रशासक का कार्यभार संभाल रहे उपखंड अधिकारी अमित वर्मा को भी ज्ञापन सौंपकर बंदरों के आतंक से राहत की गुहार लगाई, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। जनता पूछ रही है कि क्या आखिर प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सोमवार को जब हमारे रिपोर्टर ने जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार और मंडावर उपखंड अधिकारी व नगरपालिका प्रशासक अमित कुमार वर्मा से फोन पर संपर्क साधने का प्रयास किया, तो उन्होंने फोन उठाना तक जरूरी नहीं समझा। यह रवैया केवल प्रशासनिक उदासीनता नहीं, बल्कि मीडिया के प्रति जवाबदेही से खुला इनकार है। वहीं जब नगरपालिका के कार्यवाहक पार्षद एवं बैजूपाड़ा नायब तहसीलदार प्रकाशचंद मीना से फोन पर बातचीत की गई, तो उन्होंने स्पष्ट जवाब देने के बजाय कार्यालय आकर बात करने की नसीहत दे डाली। यह व्यवहार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के प्रति असम्मान और जवाबदेही से बचने की मानसिकता को उजागर करता है। मंडावर में बंदरों का यह बेकाबू आतंक अब एक प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा का गंभीर मुद्दा बन चुका है। यदि शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी उत्पाती बंदरो के हमले से किसी और जान जाने के बाद जागेंगे, या फिर जनता की सुरक्षा यूँ ही अफसरशाही की फाइलों में दम तोड़ती रहेगी।

नीमराणा में बड़ा हादसा टलाः कोयले के बुरादे से भरा डंपर पलटा, कोई जानी नुकसान नहीं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराणा।

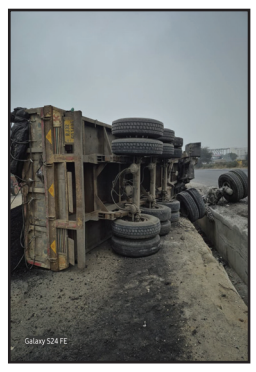

रमेशचंद्र । नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र में जयपुर दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हीरो चौक के पास सोमवार अल सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। कोहरे के कारण दूसरे वाहन को साइड देने के प्रयास में कोयले के बुरादे से भरा एक डंपर अनियंत्रित होकर नाले में पलट गया। गनीमत रही कि हादसे के समय कोई अन्य वाहन उसकी चपेट में नहीं आया, अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता था। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के देवेंद्र यादव ने बताया कि डंपर दिल्ली से जयपुर की ओर जा रहा था। अचानक सामने आए वाहन को बचाने के दौरान संतुलन बिगड़ गया, जिससे डंपर का टायर निकल गया और वह नाले में पलट गया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। डंपर पलटने से कोयले का बुरादा हाईवे की सर्विस लाइन पर फैल गया, जिससे कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची और क्रेन की सहायता से डंपर को हटवाकर सर्विस लाइन को सुचारू रूप से चालू कराया गया। प्रशासन की तत्परता से स्थिति पर जल्द काबू पा लिया गया और यातायात सामान्य कर दिया गया।

राजस्थान सरकार के मंत्रीमंडल व राजनैतिक नियुक्ति में प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर अग्रवाल समाज करेगा प्रदेश स्तर पर आंदोलन

विधायक मोदी के नेतृत्व में बनी पांच सदस्यीय कमेटी, रिपोर्ट के बाद बनेगी आंदोलन की रणनीति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

बाबूलाल सैनी । राजनीति में अग्रवाल समाज की लगातार हो रही अनदेखी के खिलाफ समाज ने एकजुट होकर प्रदेश स्तर पर आंदोलन छेड़ने का राजनैतिक प्रस्ताव लेकर एक कमेटी का गठन किया गया है उक्त कमेटी की रिपोर्ट के बाद समाज आगे की रूपरेखा तैयार कर रणनीति बनायेगी। इस आशय का निर्णय अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की ओर से खाटूश्यामजी में आयोजित प्रांतीय अधिवेशन में प्रदेश भर से एकजुट हुए विभिन्न जिलों के करीब 400 प्रतिनिधियों की मौजूदगी में लेते हुए वक्ताओं ने कहा कि अग्रवाल समाज को भाजपा का वोट बैंक माना जाता है फिर भी राजस्थान में अग्रवाल समाज का भाजपा का कोई भी विधायक मंत्री नहीं है, जो समाज के लिए अफसोस की बात है । वक्ताओं ने बताया कि वर्तमान सरकार में अग्रवाल समाज की उपेक्षा हो रही है और राजनैतिक नियुक्ति में भी अनदेखी की जा रही है ।अगर सरकार का यही रवैया रहता है तो समाज इसके लिए एक राजनीतिक चिंतन कमेटी बना रहे हैं चिंतन कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर दो माह के अंदर जयपुर में अग्रवालों का बड़ा जमावड़ा कर आंदोलन किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग की ओर से बनाई गई राजनीतिक चिंतन कमेटी का विधायक सुरेश मोदी को संयोजक, भाजपा प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल व विष्णु भूत को सहसंयोजक जबकि अमित चिरानिया व संदीप बजाज को कमेटी का सदस्य बनाया गया है। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा वे स्वयं भाजपा के सदस्य हैं लेकिन राजनीति में समाज की अनदेखी बर्दाश्त नहीं है। आंदोलन के जरिए सरकार को एहसास करवाया जाएगा कि अग्रवाल समाज केवल उधोग धंधे ही करना नहीं करना जानता अपने हक के लिए आंदोलन भी कर सकता है । कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपालशरण गर्ग नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी वाणिज्यिक अधिकारी मनोज सिंघल भाजपा प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल सीएस इंस्टीट्यूट के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम अग्रवाल राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष हेमराज जिंदल राष्ट्रीय महामंत्री राजेश अग्रवाल महिला राष्ट्रीय महामंत्री रेखा गोयनका राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत जिला अध्यक्ष अमित चिरानिया प्रदेश युवा अध्यक्ष नितिन अग्रवाल प्रदेश महामंत्री संदीप बजाज विनीत बंसल जिलाध्यक्ष अनिल तोदी जिला महामंत्री मणिशंकर खेतान महिला जिलाध्यक्ष किरण खेतान प्रदेश मंत्री शुभम मोदी राष्ट्रीय महिला मंत्री सन्नू मोदी महिला प्रदेश महामंत्री सुधा जाजोदिया किरण चिरानिया विमल चिरानीया लोकेश हाजिरीका शुभम पटवारी सहित प्रदेश भर के अग्रबंधु उपस्थित थे! अधिवेशन में भगवान अग्रसेन जी की मिलनी लेने प्री वेडिंग शूट बंद करने दिन में फेरे करने सहित सात प्रस्तावों का अनुमोदन करवाया गया कार्यक्रम का संचालन सन्मति हरकारा लोकेश हाजिरीका शुभम पटवारी एवं संदीप बजाज ने किया।

लबाना होम्स सोसायटी में रेजिडेंसी वेलफेयर एसोसिएशन का गठन, सर्वसम्मति से कार्यकारिणी घोषित

राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ सीकर द्वारा नव वर्ष स्नेह मिलन समारोह आयोजित

सुमेर मीणा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खंडेला। राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ सीकर द्वारा नव वर्ष स्नेहमिलन समारोह दिनांक 4 जनवरी 2026 रविवार को पलासिया धाम ग्राम सूजाना तहसील खंडेला में आयोजित हुआ । कार्यक्रम के अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र मीणा ने की। पलासिया धाम के महंत महाराज तारा दास जी के पावन सानिध्य प्राप्तहुआ। संगठन के जिला महामंत्री प्यारेलाल मीणा द्वारा सभा का संचालन किया गया। इस मौके पर जिला संरक्षक शिवलाल मीणा, जिला अध्यक्ष वीरेंद्र मीणा, ज्ञान प्रकाश झरवाल हरदास का बास, एडवोकेट राजेंद्र कुमार मीणा छाजना, खंडेला अध्यक्ष मूलचंद मीणा सीलपुर, रिंग्स तहसील अध्यक्ष हनुमान दादियारामपुरा, महामंत्री विनोद मीणा फतेहपुरा, दिलीप कुमार मीणा ,पूरणमल मीणा, जगमाल सिंह मीणा नया बास, हरि राम मीणा पुराणावास आदि कई लोगों ने विचार व्यक्त किये।इंद्र जी मीणा डोकण, सुभाष चंद्र मीणा कंचनपुर, रतनलाल मीना दुल्हेपुरा, एड. विनोद कुमार निमेड़ा नेतराम मीणा फतेहपुरा, जगदीश प्रसाद मीणा, मालीराम मीणा अध्यक्ष पाटन उमेश कुमार मीणा रामनिवास मीणा रिंग्स भुलेश कुमार मीणा भोजपुर धुंड सिंह मीणा सीलपुर रामस्वरूप मीणा हमीरपुर ओमप्रकाश मीणा कंचनपुर रोहिताश मीणा जोरावर नगर बाबूलाल मीणा सुजान सुभाष चंद्र मीणा पिपलोदा का बस महेंद्र कुमार मीणा कंचनपुर मंगलचंद मीना शैलेंद्र , विमल कुमार मीणा गुरारा महिपाल मीणा गोविंदपुरा श्यामलाल मीणा गोविंदपुरा रवि मीणा प्रचार मंत्री पिपलोदा का बास महेश कुमार मीणा छाजना लीलाधर मीना हमीरपुर धर्मपाल कैलाश चंद हीरालाल मीणा होद मुकेश कुमार सुरेश कुमार मीणा गोविंदपुरा महेश कुमार पप्पू राम सुनील कुमार मीणा मुनेश कुमार रामचंद्र मीणा प्रीतमपुरी और अन्य सैकड़ो लोग उपस्थित हुए। इस मौके पर कई पारिवारिक विवादों में समझाइस की गई। समाज में शिक्षा रोजगार को बढ़ावा देने हेतु चर्चा की गई । मृत्यु भोज लगभग पूर्णतया बंद हो चुका है अब आगे दहेज प्रथा टिका प्रथा आदि पर चर्चा की गई।आयोजन की संपूर्ण जिम्मेदारी खंडेला तहसील कार्यकारिणी द्वारा निर्वहन की गई।

संगठन के जिला अध्यक्ष श्रीमान वीरेंद्र मीना ने बताया कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए सामाजिक सदस्यों का सहयोग अति आवश्यक है आप सभी लोग सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहे और उपस्थित मीना सरदारों का आभार और धन्यवाद व्यक्त किया।

नेमीचंद बने नायक समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय युवा नायक महासभा राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर बगड़ी निवासी नेमीचंद को नियुक्त किया गया है। नेमीचंद इस पद पर लगातार तीसरी बार मनोनीत हुए हैं। उनके मनोनयन से समर्थकों व शुभचिंतकों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

झुंझुनूं न्याय क्षेत्र के सभी अधीनस्थ न्यायालयों के लिए दो स्थानीय अवकाश घोषित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश झुंझुनू के न्याय क्षेत्र के सभी अधीनस्थ न्यायालयों के लिए कैलेंडर वर्ष 2026 के लिए दो स्थानीय अवकाश घोषित किए गए हैं। जिला एवं सेशन न्यायाधीश दीपा गुर्जर ने बताया कि 14 जनवरी को मकर संक्रांति तथा 11 सितंबर को लोहार्गल मेले का स्थानीय अवकाश रहेगा।

राजकीय महाविद्यालय बुहाना में सात दिवसीय आत्मरक्षा एवं क्षमता विकास कार्यक्रम का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

राजकीय महाविद्यालय, बुहाना (झुंझुनू) के तत्वाधान में रानी लक्ष्मीबाई केंद्र द्वारा 1 जनवरी 2026 से 8 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले सात दिवसीय आत्मरक्षा दक्षता एवं क्षमता विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश कुमार ने छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण के महत्व एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को आत्मविश्वासी, सजग और सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने महाविद्यालय की प्रत्येक छात्रा से इस कार्यक्रम का लाभ उठाने का आह्वान किया।कार्यक्रम की शुरुआत में सहायक आचार्य अनीता कुमारी एवं कमल कुमार ने छात्राओं को प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और इसका अधिकतम लाभ प्राप्त करने की प्रेरणा दी। उन्होंने महिलाओं को जागरूक, साहसी, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रशिक्षण सत्र में महिला पुलिसकर्मी श्रीमती सुलोचना एवं शर्मिला ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण की आवश्यकता, समाज में महिलाओं के समक्ष मौजूद चुनौतियों तथा महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए साहस, आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता एवं शिक्षा का विकास अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान छात्राओं को पंच, किक, ब्लॉक सहित आत्मरक्षा के व्यावहारिक गुर भी सिखाए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. अनिल मावर, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. अमित कुमार, डॉ. वीना रानी, डॉ. संतोष शर्मा, विनोद कुमारी, डॉ. सपना चौहान सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहें।

चूरू जिले से दिव्या वाल्मीकि बनी भारतीय दलित साहित्य अकादमी महिला प्रकोष्ठ कि जिलाध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चूरू।

सावित्रीबाई फुले जयंती के अवसर पर जयपुर में दिव्या वाल्मीकि को चूरू से फातिमा शेख अवार्ड से सम्मानित किया गया साथ ही? भारतीय दलित साहित्य अकादमी महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट हेमलता कांसोटिया की सहमति से भारतीय दलित साहित्य अकादमी महिला प्रकोष्ठ कि चूरू जिले जिलाध्यक्ष दिव्या वाल्मीकि को मनोनीत किया गया है।? नवनियुक्त जिला अध्यक्ष दिव्या वाल्मीकि ने बताया कि उन्हें संगठन के द्वारा जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है, उसे वे पूरी ईमानदारी से निभाएंगे और जिले में संगठन को मजबूत बनाकर हमेशा बहुजनों

की शोषितों की, पीड़ितों की आवाज को बुलंद करेंगे और बहुजन समाज की सेवा में हमेशा तैयार मिलेंगे, महिलाओ पर अन्याय अत्याचार होता है रोकने का प्रयास करूंगी। बहुजन समाज महापुरुषों के नक्शे कदम पर चलते हुए कार्य करेंगे। जिले में बहुजनो के ऊपर आए दिन होने वाले अत्याचारों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संविधान के दायरे में रहकर उनकी आवाज को बुलंद किया जाएगा।जिले में संगठन कि जल्दी कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। जिसमें महिला व युवा साथियों को मिशन में जोड़कर जिले की कार्यकारिणी बनाई जाएगी। दिव्या वाल्मीकि पूर्व में भीम आर्मी, कोरो इंडिया, समता न्याय केंद्र चूरू आदि संस्थानों जुड़कर सामाजिक कार्य मे अहम भूमिका निभा चुकी हैं, जिसके चलते अध्यक्ष के पद पर नियुक्त उनको किया गया। भारतीय दलित साहित्य अकादमी महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष बनने पर बहुजन समाज के सदस्यों ने माला पहनाकर स्वागत किया एवं बहुजन समाज के वरिष्ठ लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एडवोकेट सुरेश काला, एडवोकेट सुनील मेघवाल, राकेश पंवार, ओम प्रकाश भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा, प्रियंका देवी,ममता गर्वा, कमला प्रजापत, कन्हैया लाल चंदेलिया,विजय पंवार, अशोक पंवार, महेश मेहरा, एडवोकेट नरेंद्र मेहरा, जय गोगड़िया, चुन्नीलाल, विक्की, संदीप ,किशन वाल्मीकि, कांता देवी आदि साथियों ने बधाई प्रेषित की।

सिंघाना में कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक, संगठन को मजबूत करने पर दिया गया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बुहाना के अध्यक्ष महावीर प्रसाद यादव ने सिंघाना में कांग्रेस पदाधिकारियों की एक अहम बैठक ली। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को सशक्त बनाना, कार्यकर्ताओं में समन्वय बढ़ाना और कांग्रेस की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाना रहा। इस अवसर पर कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, ब्लॉक कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में संगठनात्मक ढांचे की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। ब्लॉक अध्यक्ष महावीर प्रसाद यादव ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस की मजबूती कार्यकर्ताओं की एकजुटता और सक्रियता पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आपसी तालमेल के साथ कार्य करने, बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और आमजन से निरंतर संपर्क बनाए

रखने का आह्वान किया।बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए अपने सुझाव रखे और कांग्रेस की नीतियों व विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। मंगलवार को आयोजित इस बैठक में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महावीर प्रसाद यादव, जिला उपाध्यक्ष मानसिंह सारण, सुभाष शर्मा, ब्लॉक उपाध्यक्ष पवन अग्रवाल, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डीपी सैनी, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल कालोडीया, ब्लॉक सचिव नरेंद्र शर्मा दीनदयाल ज़ैदिया, संगठन मंत्री रविंद्र रॉकी, नगर उपाध्यक्ष पिंटू भार्गव, मंडल अध्यक्ष अजय पाल ठिचोली, बाबूलाल बोकन, रणवीर हिरवा, महिपाल मीणा आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रीलाल सूबेदार सेवा संस्थान द्वारा निःशुल्क भीम कैलेंडर वितरण, बाबा साहेब के विचारों से समाज सुधार का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

संतोष नगर पाजी की ढाणी में श्रीलाल सूबेदार सेवा संस्थान की ओर से मंगलवार को दोपहर 1 बजे निःशुल्क भीम कैलेंडर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बाबा साहेब आंबेडकर पार्क, संतोष नगर पाजी की ढाणी, खेतड़ी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों पर प्रकाश डालते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने तथा एकजुट होकर सामाजिक सुधार के लिए कार्य करने का संकल्प लिया गया। संस्थान के संस्थापक घोटी देवी, बादलवास की ओर से निःशुल्क भीम कैलेंडर उपलब्ध कराए गए। कैलेंडर का विमोचन मंजू देवी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महिपाल सिंह ने सभी आगंतुकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। वहीं संस्थान के निदेशक एडवोकेट अरविंद नारवारा ने

कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने समाज को नशा-मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाने तथा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी सामाजिक समानता, शिक्षा और जागरूकता के लिए मार्गदर्शक हैं।इस अवसर पर विकास, धर्मेंद्र, महिपाल, कर्मपाल, अभिषेक, मंजू देवी, सुनील देवी, सुमन, करीना, मुस्कान, रणधीर, समाजसेवी प्रदीप कांटीवाल, भीम आर्मी से विकास कांटीवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।की, नगर उपाध्यक्ष पिंटू भार्गव, मंडल अध्यक्ष अजय पाल ठिचोली, बाबूलाल बोकन, रणवीर हिरवा, महिपाल मीणा आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क के बीचों बीच खड़े खतरनाक बिजली के खंभों को हटाया जाएगा - विक्रम सिंह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह के निर्देशानुसार बिजली निगम ने आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क के बीच में खड़े खतरनाक बिजली के खंभों और कम ऊंचाई पर लटक रही विद्युत लाइनों के संबंध में नए निर्देश जारी किए हैं। डीएचबीवीएन प्रवक्ता ने बताया कि विभिन्न सरकारी व स्थानीय एजेंसियों द्वारा सड़क चौड़ीकरण या नई सड़क निर्माण के चलते कई स्थानों पर बिजली के खंभे मुख्य मार्गों के बीच आ गए हैं। सामान्यतः ऐसे खंभों को संबंधित एजेंसियों द्वारा जमा लागत पर हटाया जाना चाहिए, लेकिन कई स्थानों पर अब तक ये खंभे यथावत खड़े हैं, जिससे आमजन और वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है। विशेषकर रात्रि और कोहरे के मौसम में इनके कारण गंभीर दुर्घटनाएं होने की आशंका रहती है। बार-बार सड़क निर्माण कार्यों के कारण विद्युत लाइनों की ऊंचाई भी कम हो जाती है, जिससे विद्युत हादसे होने की संभावना बढ़ जाती है।

उपमंडल अधिकारी मुख्य जिम्मेदार अधिकारी

जन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है कि

संबंधित ऑपरेशन क्षेत्र के एसडीओ ऐसे सभी खतरनाक स्थानों की समय-समय पर पहचान करेंगे और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार खंभों के स्थानांतरण तथा विद्युत लाइनों की ऊंचाई सुनिश्चित करेंगे। जहां भी खंभे हटाने या लाइन की ऊंचाई सुनिश्चित करने की ज़रूरत होगी, एसडीओ ऑपरेशन जमा लागत (डिपॉजिट एस्टीमेट) तैयार कर सक्षम अधिकारी से स्वीकृत करवाएंगे। इसके बाद संबंधित विभाग एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, बीएंडआर, नगर निगम, मार्केटिंग बोर्ड, पंचायत आदि को 15 दिनों के भीतर लागत जमा कराने का नोटिस दिया जाएगा। यदि विभाग 15 दिन में राशि जमा नहीं करता तो 5 लाख रुपए तक के कार्य एसडीओ ऑपरेशन जनहित में कार्य को तुरंत करवाएंगे और खर्च जी की राशि संबंधित विभाग के बिजली बिल में जोडक़र वसूल की जाएगी, 5 लाख रुपए से अधिक के कार्य को ऑपरेशन के कार्यकारी अभियंता नोडल अधिकारी के रूप में मामले को संबंधित विभागों के साथ बैठकों व रिमाइंडर के माध्यम से उठाएंगे। कार्य तभी किया जाएगा जब विभाग राशि जमा कर देगा।

दस्तावेजीकरण और निगरानी

कार्य से पहले और बाद की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी के साथ तारीख, समय और जियो लोकेशन का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा। एसडीओ ऑपरेशन को संबंधित अवसंरचना का जीआईएस मैपिंग अपडेट सुनिश्चित करना होगा। अधीक्षण अभियंता और कार्यकारी अभियंता पखवाड़ा वार समीक्षा कर गतिविधियों की रिपोर्ट संबंधित मुख्य अभियंता ऑपरेशन को भेजेंगे, जहाँ इसे डब्ल्यूटीडी की तिमाही बैठक में समीक्षा हेतु रखा जाएगा। इन निर्देशों के साथ ही सेल्स सर्कुलर डी-11/2022 को पूर्ण रूप से निरस्त कर दिया गया है। सभी अधिकारियों को इन दिशा-निर्देशों की सावधानीपूर्वक अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

किशोरपुरा में मकर संक्रान्ति पर भैरुंजी मेले की तैयारियों को लेकर मेला कमेटी की बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र कि किशोरपुरा ग्राम पंचायत में भैरुं घाटी पर स्थित खुतड़मल भैरुंजी महाराज का मकर संक्रान्ति के पर्व पर हर वर्ष सैकड़ो वर्षों से मेला लगता आ रहा है। जिसमें ऊंट दौड़,घोड़ी दौड़, कबड्डी,उंच्चीकुद,लम्बी कूद आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है। राजेश खटाणा किशोरपुरा ने बताया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेश मीणा किशोरपुरा ने की तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सरपंच शीशराम

खटाणा रहे । विशिष्ट अतिथि सरपंच मोहनलाल सैनी, पूर्व सरपंच शंभू दयाल सैनी, व्याख्याता जेपी खटाणा, कैलाश फौजी,बजरंग पहलवान, शीशराम रावत रहें। इस अवसर पर सायर मल खटाणा, सुवा नेता सुमेर लमोड़, शीशराम चौहान,रामनिवास सैनी, छोटूराम खटाणा, सुभाष धाबाई, लीलाराम खटाणा,दलीप खटाना, प्रदीप खटाणा,रुपा खटाणा, रोहीताश खटाणा,मुकेश धाबाई सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहें।

बच्चों की शिक्षा की नींव को मजबूत करे शिक्षकगण-डीसी

डीसी ने ली निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिला स्टीयरिंग कमेटी की बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि निपुण भारत के सपने को नई शिक्षा नीति के अनुरूप साकार करते हुए सभी बच्चों को पढऩा व गणना करना सीखना बेहद जरूरी है। ऐसे में स्कूली विद्यार्थियों को खेल के साथ गुणात्मक शिक्षा देने की दिशा में सरकार के प्रभावी कदम उठा रही है। डीसी अभिषेक मीणा सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिला स्टीयरिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जानकारी दे रहे थे। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने व शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए राज्य में निपुण हरियाणा मिशन शुरू किया गया है। डीसी ने कहा कि इस कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए अधिकारियों की कमेटी भी बनाई गई है, जो प्रत्येक तीन माह में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि हमें बच्चों की शिक्षा की नींव को मजबूत करने व बच्चे आगामी कक्षाओं में विशेष रूचि लेकर जहां शिक्षा ग्रहण कर सकें वहीं कक्षा का सत्र पूरा होने से पूर्व छोडऩे पर अंकुश लगाना है। उन्होंने बताया कि इस मुहिम के तहत कमेटी के सदस्य स्कूलों में बच्चों की स्किल पास बुक का अवलोकन करेंगे तथा बच्चों में हुए ज्ञानवर्धन को अंकित करेंगे। डीसी अभिषेक मीणा ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालय समय में पूरे दिन स्कूल में रहकर अध्यापकों द्वारा करवाई जा रही शिक्षा की निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों के लर्निंग आउट पर विशेष फोकस किया जाए। उन्होंने कहा कि जिस अध्यापक की प्रफोमेंस अच्छी नहीं होगी उनकी एसीआर में माईनस 10 मार्क्स जोड़े जाएगे, जो उनकी ट्रासफर पोलिसी में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिला में अच्छा कार्य करने वाले अध्यापकों की भी सूची तैयार की जाए ताकि उन्हें सम्मानित किया जा सके और दूसरों को प्रेरित किया जा

सकें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार के स्कूलों में एबीआसी व बीआरपी द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार अपने ब्लॉक का एक्शन प्लान तैयार कर विद्यार्थियों के लर्निंग आउटकम्स को बेहतर बनाने का प्रयास करें। जिला एफएलएन समन्वयक चरण सिंह ने बताया कि निपुण हरियाणा मिशन के तहत मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता का प्रशिक्षण जिले के सभी प्राथमिक अध्यापकों को करवाया जा चुका है और सभी अध्यापक एफएलएन के दिशा-निर्देशानुसार अध्यापन करवा रहे हैं। इसके अतिरिक्त 7 जनवरी से जिले में रेमेडियेशन प्रशिक्षण भी सभी अध्यापकों को दिया जाएगा । आवश्यक शिक्षण सामग्री का वितरण करते हुए शिक्षकों को प्रेरित भी किया जा रहा है। बच्चों की शिक्षा में सुधार लाने का प्रयास किया जाएगा। निपुण हरियाणा मिशन को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने में शिक्षा विभाग की ओर से सक्रिय भूमिका निभाई जाएगी। राज्य परियोजना क्रियान्वयन इकाई की सदस्या अंजलि व एफएलएन समन्वयक द्वारा पॉवर प्रेजेंटेशन के तहत विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर एडीसी राहुल मोदी, जिला शिक्षा अधिकारी बिजेंद्र हुड्डा, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार दहिया सहित सभी खंड शिक्षा अधिकारी व कमेटी के सदस्यगण मौजूद रहें।र, समाजसेवी प्रदीप कांटीवाल, भीम आर्मी से विकास कांटीवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।की, नगर उपाध्यक्ष पिंटू भार्गव, मंडल अध्यक्ष अजय पाल ठिचोली, बाबूलाल बोकन, रणवीर हिरवा, महिपाल मीणा आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्यालयों में विद्यार्थियों को पार्षद और पंच-सरपंच करें जागरूक- रेणु भाटिया

हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने जिला पार्षदों के साथ की बैठक

कहा, विद्यार्थियों को साइबर अपराध और अन्य कुरीतियों से बचने के बारे में जागरूक करने के लिए विद्यालयों में जाएं पार्षद और पंच सरपंच

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने कहा है कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से सोमवार को चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने पीडब्ल्यूडी के रेस्ट हाउस में जिला पार्षदों के साथ बैठक की। बैठक में शिक्षा, सामाजिक मूल्यों और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने कहा कि पार्षद, पंच और सरपंच अपने-अपने क्षेत्रों के विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों विशेषकर छात्राओं को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और कानूनों की जानकारी दें। उन्होंने कहा कि आज के दौर में बच्चे कई प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें गलत संगत, नशे और सामाजिक बुराइयों से दूर रखने के लिए समय रहते सही मार्गदर्शन देना जरूरी है। चेयरपर्सन ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं

होनी चाहिए, बल्कि उसका उद्देश्य बच्चों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाना भी होना चाहिए। विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और समाज में सम्मान के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित करें। इसके साथ ही विद्यार्थियों में राष्ट्र के विकास और सामाजिक सेवा की भावना भी विकसित करें। महिला आयोग की चेयरपर्सन ने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि समय समय पर विद्यालयों में जाकर संवाद करें तो विद्यार्थियों को न केवल प्रेरणा मिलेगी, बल्कि वे अपने भविष्य को लेकर अधिक सजग और सशक्त बन बनेंगे। उन्होंने अपने साथ सब इंस्पेक्टर और एडवोकेट को ले जाने का भी आह्वान किया, ताकि विद्यार्थियों को कानून संबंधी जानकारी भी दी जा सके। उन्होंने कहा कि महिला आयोग द्वारा महिला सुरक्षा, शिक्षा और अधिकारों को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और इस दिशा में पार्षद, पंच सरपंच भी आगे आकर अपना सहयोग दें। चेयरपर्सन ने मीटिंग में उपस्थित लोगों को बाल विवाह मुक्त भारत की भी शपथ दिलवाई।

जिम का किया औचक निरीक्षण

चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने रेवाड़ी शहर में संचालित की जा रही जिम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिलाओं के लिए जिम में की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।इस अवसर पर उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिम में महिला प्रशिक्षक होना अनिवार्य हो। ऐसा ने होने पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए।

चेयरपर्सन आज वन स्टॉप सेंटर, जिला जेल व महिला थाना का करेंगी निरीक्षण

हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया मंगलवार को 06 जनवरी को प्रातः 11 बजे वन स्टॉप सेंटर कर दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेंगी। वहीं इसी दिन दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर जिला जेल तथा दोपहर 3 बजे महिला थाना रेवाड़ी का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लेंगी।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में जिला परिषद चेयरमैन मनोज यादव, वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि अनिल रायपुर, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, डीडीपीओ एच.पी. बंसल, बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता शर्मा, महिला थाना प्रभारी एएसआई सरिता और अन्य अधिकारी सहित जिला पार्षद उपस्थित रहें।

उनकी असली जीत हार में है, क्योंकि हार ने उन्हें सिखाया और जीवन की दिशा दी : स्मृति ईरानी

जयपुर (एजेंसी)। सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 में सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा पर खुलकर अपनी बात रखी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ईरानी ने बताया कि उनकी असली जीत हार में है, क्योंकि हार ने उन्हें सिखाया और जीवन की दिशा दी। सत्र में उन्होंने महिलाओं की तकनीक, नीति, स्टार्टअप और सार्वजनिक क्षेत्रों में बढ़ती भागीदारी पर जोर दिया। मल्टीटास्किंग और दृढ़ता को अपने करियर की कुंजी बताते हुए उन्होंने चुनाव हारने के अनुभवों से मिली सीखों का उल्लेख किया। उन्होंने महिला उद्यमियों के सामने आने वाली वास्तविक चुनौतियों, अवसरों और मेंटरशिप की आवश्यकता पर भी चर्चा की। ईरानी ने 9 करोड़ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को नए भारत की उजली तस्वीर बताते हुए अपनी पहलें साझा कीं—1 लाख महिलाओं को सशक्त बनाना, 300 स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना और 100 मिलियन डॉलर से अधिक का फंड जुटाना। उन्होंने कहा कि ये कदम महिलाओं के उद्यमिता इकोसिस्टम को मजबूत करने, अवसर और पूंजी तक पहुंच सुनिश्चित करने की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं।

टाटा हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी ; हॉस्पिटल खाली कराया गया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के परेल इलाके में स्थित टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की एक अनजान धमकी मिलने के बाद सोमवार को हड़कंप मच गया। इस धमकी के बाद पुलिस विभाग और हॉस्पिटल प्रशासन तुरंत अलर्ट हो गए हैं और एहतियात के तौर पर हॉस्पिटल कैंपस खाली करा लिया गया है। धमकी भरा कॉल या मैसेज मिलते ही मुंबई पुलिस तुरंत हॉस्पिटल पहुंची। फिलहाल, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) मौके पर पहुंच गया और डॉग स्क्वॉड की मदद से हॉस्पिटल के हर फ्लोर और कोने की अच्छी तरह से जांच की गई। पुलिस उपायुक्त समेत वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नजर रखे हुए हैं। चूंकि टाटा हॉस्पिटल देश में कैंसर के इलाज का सबसे बड़ा सेंटर है, इसलिए यहां हर दिन हजारों मरीज और उनके रिश्तेदार आते हैं। बम की खबर फैलते ही इलाके में डर का माहौल बन गया। सुरक्षा कारणों से अस्पताल प्रशासन ने मरीजों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट करना शुरू कर दिया और ओपीडी एवं दूसरी भीड़भाड़ वाली जगहों को खाली करा दिया गया। इस दौरान वहां अफरातफरी का माहौल तो रहा ही मरीजों तथा उनके रिश्तेदारों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ी। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है कि यह सिर्फ अफ़वाह है या हमले की कोशिश। धमकी किस नंबर या माध्यम से आई, इसकी तकनीकि जांच की जा रही है। अस्पताल प्रशासन ने अपील की है, लोगों को घबराना नहीं चाहिए, पुलिस पूरी जांच कर रही है।

झारखंड में दो घटनाओं में जंगली हाथियों ने महिला व युवक को कुचलकर मार डाला

रांची (एजेंसी)। झारखंड में अलग-अलग घटनाओं में जंगली हाथियों के हमले से दो लोगों की मौत हो गई। वन अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान पश्चिम सिंहभूम जिले के किंतापी गांव की चंपा कुई (47) और लातेहार जिले के मतनाग गांव के वीरेंद्र कोरवा के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक चंपा कुई रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे अपने घर से बाहर निकली थीं, तभी एक हाथी जो झुंड से भटक गया था, गांव में आ गया और उसने चंपा को कुचल दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विभाग की टीम मौके पर पहुंची और परिवार को अंतरिम राहत के रूप में 20,000 रुपए की सहायता राशि दी। विभाग ने परिजनों को औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद सरकारी प्रावधानों के मुताबिक मुआवजा प्रदान करने का आश्वासन दिया। लातेहार जिले में चिपदोहार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मतनाग गांव में शाम करीब चार बजे एक हाथी ने कोरवा को कुचलकर मार डाला। कोरवा चौक बाजार से घर जा रहा था तभी हाथियों के एक झुंड ने उसे घेर लिया और मार डाला। घटना की सूचना मिलते ही रेंजर और वनपाल समेत वन विभाग की एक टीम घटना की जांच के लिए मौके पर पहुंची।

8 साल 4 माह की सजा में 387 दिन बाहर, राम रहीम की मनमर्जियां कब रुकेगी?

गुरग्राम(एजेंसी)। अपनी दो शिष्याओं से रेप में 20 साल की जेल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को फिर 40 दिन की परोल मिली। राम रहीम अभी हरियाणा में रोहतक के सुनारिया जेल में बंद हैं। इसके पहले पिछले साल अगस्त में 40 दिन की परोल मिली थी। इस हालिया परोल से पहले राम रहीम 2017 में दोषी ठहराने के बाद से 14 बार जेल से बाहर आ चुका है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति जैसी संगठनों ने राहत देने की आलोचना की है। जेल से बाहर आने के बाद वह कई बार बागपत स्थित डेरा के आश्रम में रहा।

1. 24 अक्टूबर 2021 को 1 दिन की पैरोल, बीमार मां के लिए।
2. 21 मई, 2021 : 1 दिन की, बीमार मां के लिए फिर।
3. 7 फरवरी, 2022 : 21 दिन की, पंजाब में चुनाव थे।
4. 17 जून, 2022 : 30 दिन, हरियाणा निकाय चुनाव थे।
5. 15 अक्टूर, 2022 : 40 दिन की, आदमपुर उपचुनाव थे।
6. 21 जनवरी 2023 : 40 दिन, शाह सतनाम जयंती थी।
7. 20 जुलाई, 2023 : 30 दिन, 15 अगस्त को बर्थडे था।
8. 21 नवंबर, 2023 :21 दिन, राजस्थान में चुनाव थे।
9. 19 जनवरी, 2024 : 50 दिन, लोकसभा चुनाव होने थे।
10. 13 अगस्त, 2024 : 21 दिन, 15 अगस्त को बर्थडे था।
11. 1 अक्टूबर, 2024 : 21 दिन, हरियाणा में चुनाव थे।
12. 28 जनवरी, 2025 : 30 दिन, दिल्ली में चुनाव थे।
13. 9 अप्रैल, 2025 : 41 दिन, डेरे का स्थापना दिवस था।
14. 5 अगस्त, 2025 : 40 दिन, 15 को बर्थडे था।

झुंझुनूं जिले से 10 हजार से अधिक प्रतिभागी आर्मी डे परेड 2026 कार्यक्रमों में होंगे शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

आर्मी डे परेड 2026 के अवसर पर जयपुर में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में झुंझुनू जिले से 10 हजार से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे। आर्मी डे परेड 2026 के तहत जयपुर में 09, 11 एवं 13 जनवरी को महल रोड, जगतपुरा में सेना परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की जाएगी। इसके अलावा 10 एवं 15 जनवरी को एसएमएस स्टेडियम में शौर्य संध्या तथा 9 से 12 जनवरी तक भवानी निकेतन स्कूल, सीकर रोड पर 'नो योर आर्मी' मेला एवं हथियार प्रदर्शनी का आयोजन होगा। मुख्य आर्मी डे परेड 15 जनवरी को आयोजित की जाएगी, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति प्रस्तावित है। आर्मी डे परेड 2026 के कार्यक्रमों में आमजन की सहभागिता को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 09, 11, 13 एवं 15 जनवरी 2026 को जयपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में झुंझुनू जिले से कम से कम 10,000 प्रतिभागियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों, राजीविका से जुड़ी महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्काउट एवं एनसीसी कैडेट्स, खिलाड़ियों, पूर्व सैनिकों तथा आमजन की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करें। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं अन्य जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

साइबर अपराध और नशा मुक्ति को लेकर फतेहाबाद पुलिस का जागरूकता अभियान तेज

गाँव धारनियां, फतेहाबाद में आमजन को साइबर सुरक्षा, डिजिटल फ्रॉड और स्वस्थ जीवनशैली की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के तहत जिला पुलिस द्वारा आमजन को साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा नशा मुक्ति को लेकर लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना साइबर सेल फतेहाबाद में तैनात महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा गाँव धारनियां, फतेहाबाद में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में आम जनता को साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं और उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।जागरूकता अभियान के दौरान लोगों को बताया गया कि किस प्रकार फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, फेक लिंक और ऑनलाइन ठगी के माध्यम से साइबर अपराधी लोगों को निशाना बना रहे हैं। आमजन को यह भी समझाया गया कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और अपनी निजी जानकारी, बैंक डिटेल या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें।

इस दौरान डिजिटल फ्रॉड जैसे नए साइबर अपराधों के तरीकों के बारे में भी विशेष रूप से जागरूक किया गया, जिसमें ठग स्वयं को पुलिस या सरकारी अधिकारी बताकर वीडियो कॉल के माध्यम से डराने-धमकाने की कोशिश करते हैं। लोगों को स्पष्ट किया गया कि इस प्रकार का कोई भी कॉल आने पर घबराने की आवश्यकता नहीं है और तुरंत साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस थाना से संपर्क करना चाहिए। इसके साथ-साथ पुलिस टीम द्वारा युवाओं और आमजन को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और सकारात्मक सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित लोगों को बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज के लिए भी गंभीर समस्या बनता है। महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता ने कहा कि साइबर थाना फतेहाबाद आमजन की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है और किसी भी साइबर अपराध की सूचना तुरंत पुलिस को देने से अपराधियों पर समय रहते कार्रवाई संभव होती हैं। साइबर थाना फतेहाबाद द्वारा आगे भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर जारी रखे जाएंगे, ताकि आम जनता को सुरक्षित, जागरूक और अपराध-मुक्त समाज की दिशा में प्रेरित किया जा सके

फतेहाबाद जिले में नशे के खिलाफ कड़ा चैकिंग अभियान - हर संदिग्ध वाहन की जांच, जीरो टॉलरेंस नीति जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में फतेहाबाद पुलिस पूरे जिले में नशे के खिलाफ विशेष मुहिम चला रही है। इसका उद्देश्य नशे की तस्करी और सेवन को रोकना तथा युवाओं को सुरक्षित रखना है। इस अभियान के तहत बीघड़ रोड, चौकी नागपुर, मेहुवाला टी-प्वाइंट फतेहाबाद रोड, गुरूनानकपुरा क्षेत्र और कुलां चौक सहित पूरे जिले में कई नाकों पर वाहनों की चैकिंग की गई। पुलिस ने हर संदिग्ध वाहन और व्यक्ति की सावधानीपूर्वक जाँच की, ताकि किसी भी प्रकार के नशे या अवैध पदार्थ की तस्करी को रोका जा सकें। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि फतेहाबाद जिले में नशे के खिलाफ पुलिस की 'जीरो टॉलरेंस' नीति लगातार जारी रहेगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सहयोग करें और नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। यह अभियान युवाओं की सुरक्षा और समाज से नशे को समाप्त करने के लिए निरंतर जारी रहेगा।

श्री कृष्ण बाल गोपाल गौशाला बिहाली की आम सभा की बैठक हुई, वार्षिकोत्सव 15 से 18 फरवरी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण। श्री कृष्ण बाल गोपाल गौशाला बिहाली में आम सभा की बैठक का आयोजन किया गया। गौशाला प्रधान कैप्टन महावीर सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में गौशाला कार्यकारिणी के गठन पर भी विचार किया गया। नए साल पर एक नई रूपरेखा बना कर कार्यों पर चर्चा की गयी। गौशाला का चार दिवसीय वर्षिक उत्सव 15 से 18 फरवरी तक करने का निर्णय लिया गया। आम सभा की बैठक में गौशाला के आय व्यय का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया जिसमें जिसमें छह लाख रूपय हर महीना का खर्चा का लेखा प्रस्तुत किया तथा गोशाला के पुरानी गाड़ियों व लोहे का कबाड़ा को बेचने का भी सर्वसम्मती से निर्णय परित किया गया। सभा की बैठक में नये सदस्यों को जोड़ने का भी निर्णय लिया गया। इस मौके पर बिहाली के युवा अमित कुमार व नितिन कुमार ने युवाओं को जोड़ने का सुझाव रखा। इस मौके पर मैनेजर बलबीर सिंह, सचिव सत्यबीर सिंह, हरी सिंह, सुरेंद्र, ओम प्रकाश, महावीर सिंह, नंबरदार अमर सिंह, प्यारेलाल, कायसा के पूर्व सरपंच सूबे सिंह, सूबेदार मेजर मखनलाल, सुरेश कुमार , झल्लूराम, लालसिंह, मास्टर कालुराम, लीलाराम, बिरेंद्र आर्य, सूबेदार सुमेर सिंह, उदय सिंह, महिपाल खरब, सुरेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

एसपीजी जनसेवा ट्रस्ट द्वारा शांति निकेतन स्कूल, ढिंगसरा में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित- रणसिंह रेपस्वाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)। शांति निकेतन पब्लिक सीनियर सैकेंड्री स्कूल के प्रधानाचार्य रणसिंह रेपस्वाल व डायरेक्टर विजय सिंह बाघेला ने संयुक्त रूप से बताया कि आज शांति निकेतन स्कूल के स्थापना दिवस पर स्कूल प्रांगण में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सहायक सचिव रवि हुड्डा, सुनील भाटिया व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किरढ़ान के प्रधानाचार्य मनोज बैनीवाल, पीडीएम स्कूल से प्रधानाचार्य श्रीमति अनिता गिजरोईया, ग्रीन वैली स्कूल से गुरमेहर सिंह, बाल भारती स्कूल से राजेंद्र सिंह, मक्खन सिंह, पंकज मेहत्ता, भूपेंद्र सिंह, रणवीर सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि मानव कल्याण को सर्वोपरि मानते हुए सोमवार को स्कूल प्रांगण में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिला रेडक्रॉस सोसायटी, फतेहाबाद की टीम ने अपना विशेष योगदान दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ हवन यज्ञ व मुख्यातिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उन्होंने बताया कि गत दिन पूर्व शांति निकेतन स्कूल द्वारा एसपीजी जनसेवा ट्रस्ट की स्थापना की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता करना है। इसी कड़ी में समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाने हेतु एसपीजी जनसेवा ट्रस्ट द्वारा इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें रक्तदाताओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और रक्तदान करने वाले व्यक्तियों व स्टॉफ को जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से शरीर को स्वस्थ बनाए रखा जा सकता है और रक्तदान हमें हार्ट अटैक जैसी बीमारियों से सुरक्षित करता है। रक्तदान करने से रक्त पतला होता है, जो दिल के लिए अच्छा माना जाता है। रक्तदान करने से शरीर में नए रेड सेल्स बनते हैं जिससे शरीर को एनर्जी मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को विकसित करते हैं। इस रक्तदान शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना एवं समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। शिविर में रक्तदाताओं के लिए जलपान एवं प्राथमिक चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की गई। उन्होंने क्षेत्रवासियों को विश्वास दिलाया कि विद्यालय सदैव सामाजिक सरोकारों से जुड़े आयोजनों के लिए सहयोग करता रहेगा। ऐसे कार्यक्रम छात्रों में सेवा, करुणा और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं।

सोलर पैनल की केबल चोरी करने के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

थाना धारूहेड़ा पुलिस ने गत वर्ष नवंबर माह में गांव डूंगरवास से सोलर पैनल से केबल चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव मुसारी निवासी आरिश के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जांचकर्ता ने बताया की गांव डूंगरवास निवासी दीपक ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसने खेत में सोलर पैनल लगाया हुआ है। गत वर्ष 11 नवंबर की रात को चोर उसके खेत में लगे सोलर पैनल से केबल चोरी कर ले गए। जिस पर पुलिस ने थाना धारूहेड़ा में चोरी का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त एक आरोपी राजस्थान के टपूकड़ा निवासी मलकीत को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। जो इस मामले में पुलिस ने रविवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव मुसारी निवासी आरिश को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच देकर 30.80 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

साइबर थाना रेवाड़ी पुलिस ने महिला को ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच देकर 30.80 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुजरात के जिला सबरकाटा गांव नवावास चौपड़ निवासी डाबी खाटूसिंह प्रधान सिंह व गुजरात के जिला महसाना गांव ठाकोरवास छबलिया निवासी ठाकुर जसवंत प्रहलादजी के रूप में हुई है। जांचकर्ता ने बताया की बीएमजी सिटी रेवाड़ी निवासी चंद्रप्रभा ने अपनी शिकायत में बताया था कि गत वर्ष 15 अप्रैल को उसके पास व्हाट्सएप पर कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने अपना नाम एलेक्स बताते हुए ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया था। उसने कॉल करने वाले को बताया कि उसके पास इन्वेस्ट करने के पैसा नहीं है। उसने कहा कि वह उसके डीलर से बात करते हुए बिना पैसा लगाए ही 20 फीसदी तक मुनाफा कमा सकती है। उसके हां करने के बाद पांच ट्रेड कराते हुए उसके खाते में 1800 रुपये डाल दिए गए। बाद में ब्रोकर बताने वाले बाबथ नामक व्यक्ति ने उसे बताया कि उसके अकाउंट में 8 लाख रुपये का लॉस हुआ है। उसके आदमी घर पर आकर पैसे की वसूली करेंगे। उसे घर से उठवाने और उसका घर बेचने तक की धमकी दी गई। इन लोगों ने उससे हस्ताक्षर व आईडी पहले ही व्हाट्स एप पर मंगवा लिए थे, इसलिए वह बुरी तरह घबरा गई। उसके पास धमकी भरे मैसेज भेजे गए। डर के मारे उसने बताए गए नंबरों पर 5 मई से 17 जून 2025 तक 30 लाख 79 हजार 993/- रुपये ट्रांसफर कर दिए। जिस पर पुलिस ने साइबर थाना रेवाड़ी में ठगी का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जो जांच के बाद पुलिस ने रविवार को मामले में संलिप्त दो आरोपी गुजरात के जिला सबरकाटा गांव नवावास चौपड़ निवासी डाबी खाटूसिंह प्रधान सिंह व गुजरात के जिला महसाना गांव ठाकोरवास छबलिया निवासी ठाकुर जसवंतजी प्रहलादजी को गिरफ्तार किया है। आरोपी डाबी खाटूसिंह प्रधान सिंह के खाते में ठगी के 95 हजार रुपये ट्रांसफर हुए थे, जबकि ठाकुर जसवंतजी प्रहलादजी ने उसका खाता साइबर ठगों को मुहैया कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस द्वारा इस मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी।

नोकरियों में आरक्षण ना देकर सरकार कर रही भेदभाव, की 27 ' आरक्षण देने की मांग-तंवर

प्रथम व द्वितीय श्रेणी और कौशल रोजगार योजना आदि में हरियाणा सरकार द्वारा आरक्षण ना देने का है मामला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

ओबीसी ब्रिगेड, हरियाणा के तत्वावधान में बैठक का आयोजन गत रविवार को यादव धर्मशाला में पूर्व निरीक्षक जगदीश प्रसाद इमराड़ा की अध्यक्षता में किया गया । बैठक में मुख्य अतिथि ओबीसी ब्रिगेड, हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र सिंह तंवर रहे और बैठक में इन्हें पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। मंच का संचालन ईश्वर सिंह प्रजापति द्वारा किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि तंवर ने बताया कि सरकार लगातार पिछड़ा वर्ग के हक अधिकारों को नजरंदाज कर उनके हितों की अनदेखी कर रही है । सरकार द्वारा गुरुग्राम में मेयर के चुनाव में अपने चहेतों को टिकट देकर पिछड़ा वर्ग के साथ सरासर भेदभाव करते हुए अपने चहेतों को टिकट देकर चुनाव जीतवाया गया जिसका केस न्यायालय में विचाराधीन है। तंवर ने यह भी कहा कि प्रदेश में सरकार द्वारा प्रथम और द्वितीय श्रेणी की नोकरियों में 27 प्रतिशत (16+11) आरक्षण की लगातार अनदेखी कर रही है, जो लागू किया जाए। इसके साथ ही हरियाणा कौशल रोजगार निगम जिसमें बिना आरक्षण के नोकरियां अपने चहेतों को दी जा रही है जो सरासर सरकार की तानाशाही है। अतः इसमें भी पिछड़ा वर्ग के लिए 16+11 प्रतिशत और एससी के 20 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाए। लोकल बाडीज और पंचायती राज संस्थाओं तथा सता व राजनीतिक पार्टियों के संगठनों में जनसंख्या के हिसाब से आरक्षण का प्रावधान किया जाए। बैठक में यह चेतावनी दी गई कि सरकार ने यदि आरक्षण की इन मांगों को नजरंदाज किया तो कड़ा रुख अपनाते हुए आरक्षण वर्ग के सभी संगठन एकजुट होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी और धरना प्रदर्शन आदि की कार्रवाई करने में बाध्य होंगे।

इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं कुम्हार सभा के पूर्व प्रधान किशनलाल लुहानीवाल, जांगिड़ सभा के पूर्व प्रधान रोहतास नंबरदार, योगी सभा के प्रधान प्यारेलाल, जितेंद्र योगी, रामनिवास रोहिला, फतेह सिंह खुडाना, इंद्र सिंह, रामेश्वर धनोंदा, मास्टर सीताराम जांगिड़, प्रताप जांगिड़, प्रजापति समाज के इंद्र सिंह, नौरंगलाल, उमेद सिंह, ताराचंद, राजवीर, राजेश, बाबूलाल, सूबे सिंह, रामकिशन, महेंद्रसिंह आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अग्निवीरों को सेना में परमानेंट होना है तो शादी करने से मना करना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की अग्निवीर योजना एक बार फिर चर्चा में है क्योंकि साल 2022 में शुरू हुए इस कार्यक्रम का पहला बैच अब अपनी चार साल की सेवा पूरी करने के करीब है। जून और जुलाई के महीनों में लगभग 20 हजार से अधिक अग्निवीरों को उनकी सेवा अवधि समाप्त होने के बाद डिस्चार्ज किया जाएगा। इस मोड़ पर हजारों युवाओं के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच सेना ने स्थायी होने की प्रक्रिया और उससे जुड़े कड़े नियमों को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। इसमें कहा गया है कि अग्निवीरों को सेना में परमानेंट होना है तो शादी करने से मना करना होगा।

सेना ने स्पष्ट किया है कि अग्निवीर अपने चार साल के कार्यकाल के दौरान विवाह नहीं कर सकते। नियमों की गंभीरता यहीं खत्म नहीं होती, सेवा से डिस्चार्ज होने के तुरंत बाद भी उन्हें शादी करने की अनुमति नहीं होगी। स्थायी सैनिक बनने की चयन प्रक्रिया, जो लगभग 4 से 6 महीने तक चल सकती है, के दौरान भी उम्मीदवारों का अविवाहित रहना अनिवार्य है। अंतिम परिणाम घोषित होने और आधिकारिक रूप से स्थायी कमीशन मिलने तक यह नियम लागू रहेगा। सेना के नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, चार साल की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों में से केवल 25 प्रतिशत को ही स्थायी सैनिक के रूप में दोबारा नियुक्त किया जाएगा। यह चयन पूरी तरह से उनके पिछले प्रदर्शन, शारीरिक दक्षता और लिखित परीक्षा के अंकों पर आधारित होगा। हालांकि, योग्यता के साथ-साथ अनुशासन को सबसे ऊपर रखा गया है, जिसमें वैवाहिक स्थिति को लेकर बेहद सख्त नियम बनाए गए हैं।अनुशासन पर जोर देते हुए सेना ने चेतावनी दी है कि यदि कोई अग्निवीर इस निर्धारित अवधि के दौरान शादी करता है, तो उसे स्थायी नौकरी के लिए अयोग्य मान लिया जाएगा। भले ही उस उम्मीदवार का पेशेवर रिकॉर्ड और शारीरिक प्रदर्शन कितना भी उत्कृष्ट क्यों न हो, नियम उल्लंघन की स्थिति में उसे चयन प्रक्रिया से तुरंत बाहर कर दिया जाएगा।आमतौर पर अग्निवीरों की भर्ती 21 वर्ष तक की आयु में होती है और वे लगभग 25 वर्ष की आयु में सेवामुक्त होते हैं। सेना का मानना है कि इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर नियमों का पालन करना न केवल सैन्य अनुशासन के लिए आवश्यक है, बल्कि यह एक सैनिक की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। केवल वही अग्निवीर स्थायी कमीशन के पात्र होंगे जिन्होंने अपना कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया हो, जिनका रिकॉर्ड बेदाग हो और जिन्होंने सेवा की पूरी अवधि में ब्रह्मचर्य और अविवाहित रहने के मानदंडों का पालन किया हो।

हनुमान के सीक्वल को लेकर अफवाहों पर तेजा सज्जा ने लगाया विराम

साउथ के एक्टर तेजा सज्जा फिल्म हनुमान के सीक्वल को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में, ऐसी खबरें चल रही थीं कि एक्टर तेजा सज्जा ने 2024 की हिट फिल्म हनुमान के सीक्वल से किनारा कर लिया है। जय हनुमान के बारे में कोई अपडेट न होने के कारण कई लोगों ने इसे सच मान लिया। हालांकि, तेजा सज्जा ने इस बात से इनकार किया है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से किनारा किया है।

सोशल मीडिया पर इस बात की चर्चा थी कि तेजा सज्जा हनुमान के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगे। खबरें यह भी थीं कि उन्होंने इस फिल्म से किनारा कर लिया। दावा किया गया कि लिमिटेड स्क्रीन टाइम और क्रिएटिव मतभेदों का हवाला देते हुए, उन्होंने खुद को प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स से अलग किया। हालांकि तेजा सज्जा ने इस तरह की खबरों को सिरे से खारिज किया है। तेजा सज्जा ने बताया ये गलत खबरें हैं कि मैं जय हनुमान का हिस्सा नहीं हूं। उन्होंने बताया है कि वह अपने आप को इस प्रोजेक्ट से अलग नहीं कर रहे हैं। अप्रैल 2024 में तेजा सज्जा ने बताया था कि यह फिल्म भगवान हनुमान पर आधारित होगी।

उन्होंने जय हनुमान में अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा था मैं भी जय हनुमान का हिस्सा बनूंगा। फिल्म भगवान हनुमान पर आधारित होगी। उन्होंने दिसंबर 2024 में बताया था मैं सेट पर जाने का इंतजार कर रहा हूं। मैं इसके लिए उत्साहित हूं।

खुद से छोटे एक्टर राजीव सिद्धार्थ को डेट कर रहीं हैं

नए साल का स्वागत हर कोई अपने-अपने तरीके से कर रहा है। अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने अपने नए साल का स्वागत बड़े ही खास अंदाज में किया है। एक्ट्रेस ने नए साल के मौके पर अपने रिलेशनशिप को रिवील किया है। उन्होंने अपने रिश्ते को आधिकारिक करते हुए अपने पार्टनर के साथ तस्वीरें भी साझा की हैं।

अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ रिश्ते में हैं कीर्ति

नए साल के मौके पर 1 जनवरी की देर रात कीर्ति कुल्हारी ने अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए अपने रिलेशनशिप को ओपेन किया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की है, जिसमें कई अलग-अलग फोटोज हैं। इन फोटोज में कीर्ति कुल्हारी अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ नजर आ रही हैं। इस रील में राजीव और कीर्ति की कई रोमांटिक तस्वीरें भी हैं। इस रील के साथ ही कीर्ति ने राजीव सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक कर दिया है। कीर्ति ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। सभी को 2026 मुबारक हो।'

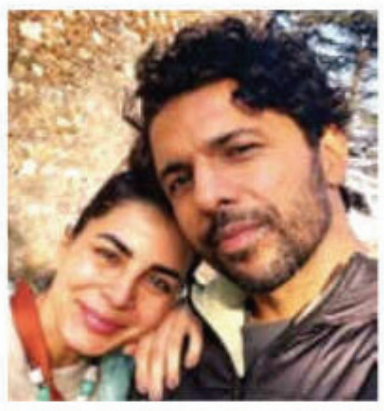

राजीव से 11 महीने बड़ी हैं कीर्ति

आजकल किसी भी रिलेशनशिप के सामने आते ही पार्टनर्स के बीच उम्र का फासला जानने के लिए भी फैंस उत्साहित रहते हैं। इसी तरह राजीव सिद्धार्थ और कीर्ति कुल्हारी के बीच के उम्र के फासले को लेकर भी फैंस उत्साहित हैं। साल 1985 को जन्मीं कीर्ति कुल्हारी 40 साल की हैं। जबकि राजीव सिद्धार्थ कीर्ति से सिर्फ 11 महीने ही छोटे हैं। अप्रैल 1986 में जन्मे राजीव सिद्धार्थ अभी 39 साल के हैं। ऐसे में कीर्ति और राजीव के बीच उम्र का अधिक फासला नहीं है।

2016 में कीर्ति ने की थी साहिल सहगल से शादी

कीर्ति कुल्हारी ने इससे पहले अभिनेता साहिल सहगल से शादी की थी। दोनों ने साल 2016 में शादी की थी। लेकिन पांच साल तक शादी चलने के बाद साल 2021 में दोनों अलग हो गए थे।

फोर मोर शॉट्स प्लीज में नजर आई थीं कीर्ति

वर्कफ्रंट की बात करें तो कीर्ति कुल्हारी आखिरी बार अपनी लोकप्रिय सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' के चौथे सीजन में नजर आई हैं। यह शो 19 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज स्ट्रीम हुआ था।

गौरव खन्ना ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद जहां एक तरफ गौरव खन्ना के फैंस उनकी जीत का जश्न मना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस भी तेज हो गई। कुछ यूजर्स ने दावा किया कि टीवी इंडस्ट्री में पहले से पहचान और एक बड़े चैनल से जुड़ाव ने उन्हें ट्रॉफी तक पहुंचाया। लेकिन इन तमाम अटकलों पर अब खुद गौरव खन्ना ने खुलकर अपनी बात रखी है।

गौरव खन्ना ने ट्रोलिंग पर की बात

पिछले कुछ दिनों से बिग बॉस की जीत को लेकर गौरव खन्ना को कुछ यूजर्स की ओर से ट्रोल किया जा रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि वो अपनी फेम की वजह से शो की ट्रॉफी अपने नाम कर पाए। इसे लेकर एक इंटरव्यू में गौरव खन्ना ने साफ शब्दों में कहा कि उनकी जीत किसी चैनल फेस या फेम का नतीजा नहीं, बल्कि दो दशक की लगातार मेहनत और अनुभव का परिणाम है। उनका कहना है कि लोग अक्सर सफलता के पीछे शॉर्टकट ढूंढते हैं, जबकि असलियत में कोई भी उपलब्धि वर्षों की तपस्या के बिना नहीं मिलती। उन्होंने याद दिलाया कि वह पिछले 15 वर्षों से किसी खास चैनल से जुड़े नहीं हैं और उनका करियर सिर्फ एक शो या पहचान तक सीमित नहीं रहा।

गौरव ने अपनी जर्नी पर भी की बात

टीवी की दुनिया में लंबा वक्त बिताने के बाद बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में उतरना गौरव के लिए आसान फैसला नहीं था। उन्होंने पहले दिन से यह तय कर लिया था कि वह इस शो को किसी से मुकाबला करने की जगह आत्ममंथन और खुद को बेहतर इंसान बनाने का जरिया बनाएंगे। गौरव के मुताबिक, बिग बॉस का घर सिर्फ कैमरों और कंट्रोवर्सी का खेल नहीं है, बल्कि यह मानसिक मजबूती और समझदारी की असली परीक्षा भी लेता है।

अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं अक्षय खन्ना

अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। एक ओर जहां 'धुरंधर' में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है और उनका डांस स्टेप वायरल है। वहीं दूसरी ओर 'दृश्यम 3' से बाहर होने के बाद मेकर्स ने उन पर गैर पेशेवर रवैये के आरोप लगाए हैं और उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। इसको लेकर एक्टर पर कुछ और लोगों ने भी अब आरोप लगाए हैं। हालांकि, अक्षय की तरफ से इन पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस बीच अब अक्षय अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं। अब फिल्म की शूटिंग की बीटीएस तस्वीरें भी सामने आई हैं। निर्देशक पूजा कोल्लुरु ने साल 2025 का शुक्रिया जताते हुए कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इनमें हैदराबाद स्थित 'महाकाली' के सेट से भी कुछ तस्वीरें हैं। इनमें अक्षय खन्ना भी नजर आ रहे हैं। पूजा कोल्लुरु ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें 'महाकाली' के सेट से अक्षय खन्ना के साथ एक सेल्फी भी शामिल है। 'महाकाली' से अक्षय खन्ना तेलुगु सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। 'महाकाली' प्रशांत वर्मा सिनेमाटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी है। फिल्म में अक्षय खन्ना गुरु शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे।

पहली बार अक्षय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी रानी मुखर्जी

बॉलीवुड की चर्चित फ्रेंचाइजी 'ओह माई गॉड' एक बार फिर बड़े स्तर पर वापसी करने की तैयारी में है। फ्रेंचाइजी की नई फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी और अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार के साथ रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। अगर यह खबर पुख्ता होती है, तो यह दोनों कलाकारों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी, जिसे लेकर फिल्म इंडस्ट्री में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

इसी साल शुरू होगी शूटिंग

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि ओह माई गॉड इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और फिल्म की शूटिंग 2026 के मई से शुरू होने की योजना है। पहले और दूसरे भाग की तरह इस बार भी निर्देशन की कमान अमित राय संभाल रहे हैं, जिन्होंने पिछली फिल्म में सामाजिक मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से पेश कर दर्शकों और समीक्षकों की सराहना बटोरी थी।

कृति सेनन ने 'कॉकटेल 2' को लेकर कही बात

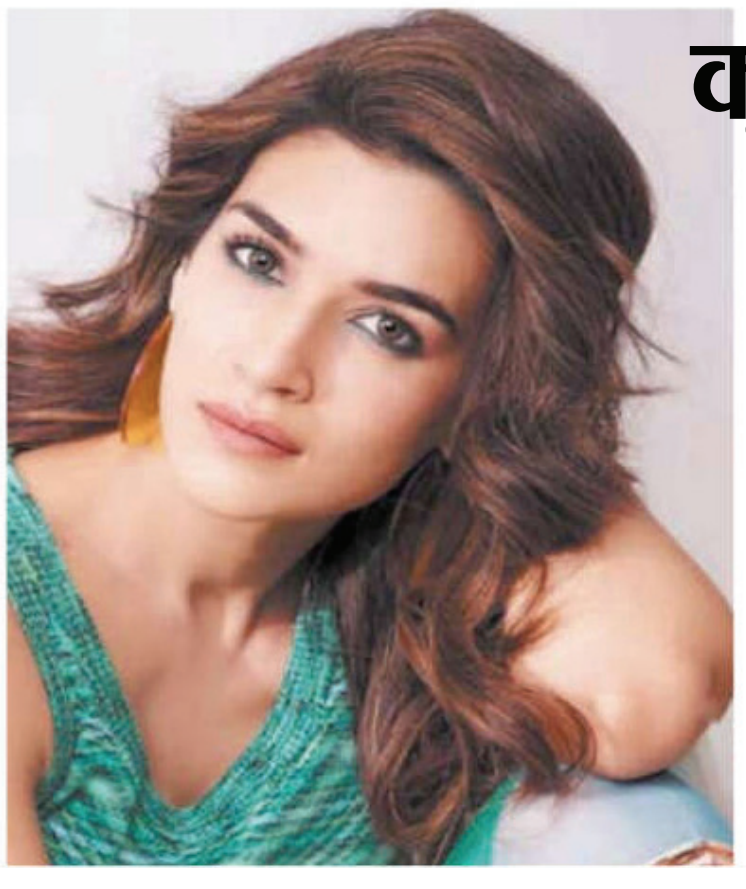

कृति सेनन बॉलीवुड में अपने करियर के 11 साल पूरे कर चुकी हैं। इन 11 साल में कृति कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। साथ ही उन्होंने कई हिट फिल्में भी दी हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। वहीं फिल्म में उनके अभिनय की भी काफी तारीफ हुई। अब कृति नए साल में अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ प्रवेश कर रही हैं। यह उनकी 20वीं फिल्म भी है। इस मौके पर कृति ने 'कॉकटेल 2' को लेकर बात की और साथ ही बताया कि क्या फिल्मों की सफलता उनके ऊपर दबाव डालती है या नहीं।

मैं किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती

बातचीत के दौरान कृति ने बॉक्स ऑफिस नंबर के प्रेशर के बारे में बात की। एक फिल्म की सफलता क्या दूसरी फिल्म के बॉक्स ऑफिस नंबर के आंकड़ों को लेकर दबाव बनाती है? अभिनेत्री ने कहा कि वो अपने ऊपर किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा दबाव नहीं लेती। हर फिल्म अलग होती है, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर फिल्म एक ही तरह के दर्शकों को आकर्षित करेगी। आगे 'कॉकटेल 2' को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि 'कॉकटेल 2' के दर्शक 'तेरे इश्क में' से बिल्कुल अलग हैं। आप बस कड़ी मेहनत और पूरी ईमानदारी से काम कर सकते हैं। आपको हर फिल्म में अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। इसके अलावा बाकी सब हमारे हाथ में नहीं है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता को प्रभावित करने वाले कई और कारण भी होते हैं। इसलिए मैं वह दबाव नहीं लेना चाहती। मैं अपने फिल्म निर्माताओं पर भी वह दबाव नहीं डालती। बल्कि मैं बस इस प्रक्रिया का आनंद लेती हूं। मैं उत्साहित हूं।

इससे पहले एक इंटरव्यू में बात करते हुए कृति ने 'कॉकटेल 2' के बारे में बताया था कि 'कॉकटेल 2' बिल्कुल सही समय पर बनी। मुझे इसकी बहुत चाह थी। मैं एक रोमांटिक कॉमेडी की उस युवा, शहरी और मजेदार दुनिया में कदम रखना चाहती थी। बेशक यह एक सीक्वल है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक अलग माहौल का सीक्वल है। कहानी पूरी तरह से अलग है, किरदार पूरी तरह से अलग हैं और उनकी पृष्ठभूमि भी पूरी तरह से अलग है।

कृति आखिरी बार आनंद एल राय द्वारा निर्देशित 'तेरे इश्क में' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं।

यह एक पैशनेट लव स्टोरी है, जिसमें कृति ने मुक्ति नाम का किरदार निभाया है। फिल्म में कृति के अभिनय की काफी तारीफ भी हुई थी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा कारोबार किया है।

शाहिद और रश्मिका के साथ नजर आएंगी कृति

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में कृति सेनन के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह 2012 में आई 'कॉकटेल' की सीक्वल है। इसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई थीं। इस फिल्म को पसंद किया गया था।

अजय बलाई हत्याकांड को लेकर चल रहे धरने को 138 वा दिन

धरने को समर्थन देने पहुंचे आदिवासी नेता सुरेश मीणा किशोरपुरा एवं राजस्थान विश्वविद्यालय की पूर्व अध्यक्ष पूजा वर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमकाथाना।

सुमेर मीणा । मावंडा के बहुचर्चित अजय बलाई हत्याकांड को लेकर कोर्ट के सामने चल रहे धरने को रविवार को पूरे 138 दिन हो गए धरने को समर्थन देने आज राजस्थान विश्वविद्यालय की पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष पूजा वर्मा एवं आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा भी पहुंचे। धरने पर बैठे मृतक के पिता भूतपूर्व सैनिक राम सहाय वर्मा को भरोसा दिलाया कि इंसाफ की इस लड़ाई में हम लोग पूर्णतया आपके साथ हैं उन्होंने मौके पर ही अजय बलाई हत्याकांड को लेकर न्यायालय में पैरवी कर रहे । प.स.स. भूपेंद्र सिंह मावंडा से फोन पर बात की जहां भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि किसी भी सूरत में दोषियों को नहीं छोड़ा जाएगा उन्होंने कानून पर पूरा भरोसा दिलाया धरने स्थल पर जयपुर हाई कोर्ट के लॉयर एडवोकेट रवी सैनी एवं राहुल सैनी ने भी अजय हत्याकांड को लेकर बारीकी से फाइल का अवलोकन किया जहां उन्होंने पुलिस द्वारा की गई नाइंसाफी पर गहरी चिंता जताई । इस अवसर पर राष्ट्रीय विकास परिषद के अध्यक्ष रेलवे अधिकारी सुरज्ञान सिंह सेवानिवृत्ति रेंजर एवं आदिवासी समाज के हरिराम रेंजर सहित बड़ी संख्या मे कई लोग उपस्थित थे।

मंडावर में ग्रामीणों ने वार्ड सीमांकन की गड़बड़ी और सड़क बदहाली को लेकर एसडीएम को सौंपी शिकायतें

वार्ड परिवर्तन से जन असंतोष, 15 साल पुरानी जर्जर सड़क से ग्रामीणों में आक्रोश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र मंडावर में प्रशासनिक निर्णयों की खामियां अब खुलकर सामने आने लगी हैं। ग्राम पंचायत टीकरी किलानोत और नवसृजित ग्राम पंचायत नांगल सुमेरसिंह के ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी को दो अलग-अलग लेकिन जनहित से सीधे जुड़ी शिकायतें सौंपकर यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ, तो इसके दूरगामी और गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। एक ओर पंचायत पुनर्गठन और जिला परिषद वार्ड सीमांकन में की गई कथित अवैधानिक व असंगत व्यवस्था को लेकर टीकरी किलानोत और नांगल सुमेरसिंह के ग्रामीणों में गहरा असंतोष है, वहीं दूसरी ओर गढ़ हिम्मतसिंह से खेड़ली कलां सीमा तक की सड़क की बदहाली ने ग्रामीण जीवन को लगभग ठप कर दिया है। ग्रामीणों ने अपने पहले प्रार्थना पत्र में बताया कि ग्राम पंचायत टीकरी किलानोत और नांगल सुमेरसिंह लंबे समय तक जिला परिषद के पूर्ववर्ती वार्ड संख्या-21 में सम्मिलित रही हैं, जहाँ भौगोलिक, सामाजिक और प्रशासनिक संतुलन बना हुआ था। हालिया पंचायत पुनर्गठन एवं सीमांकन प्रक्रिया के दौरान कथित रूप से भ्रामक तथ्यों के आधार पर दोनों ग्राम पंचायतों को नवसृजित वार्ड संख्या-28 में शामिल कर दिया गया, जो भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत दूरस्थ और अव्यावहारिक बताया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वार्ड-28 की पंचायतों से दूरी अधिक होने के कारण जनप्रतिनिधियों तक पहुँचना, विकास कार्यों की निगरानी और दैनिक समस्याओं का समाधान अत्यंत कठिन हो जाएगा। इसके विपरीत वार्ड संख्या-29 में शामिल गढ़ हिम्मतसिंह, रींदली, हल्दैना, कोट, बनावड़, हिंगोटा जैसी पंचायतें टीकरी किलानोत और नांगल सुमेरसिंह के बेहद निकट हैं, जिनसे इन गांवों का स्वाभाविक सामाजिक और प्रशासनिक जुड़ाव है। इसी आधार पर ग्रामीणों ने दोनों ग्राम पंचायतों को जिला परिषद वार्ड संख्या-29 में शामिल किए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि इस त्रुटिपूर्ण सीमांकन को शीघ्र नहीं सुधारा गया, तो क्षेत्रीय असंतोष और गहराएगा और वे आगामी निर्वाचन प्रक्रियाओं में मतदान बहिष्कार जैसे कठोर निर्णय लेने को विवश होंगे।

दूसरे प्रार्थना पत्र में ग्राम पंचायत टीकरी किलानोत के ग्रामीणों ने गढ़ हिम्मतसिंह से खेड़ली कलां सीमा तक की सार्वजनिक सड़क की दयनीय स्थिति को लेकर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया है। ग्रामीणों के अनुसार यह सड़क पिछले लगभग दो वर्षों से पूरी तरह क्षतिग्रस्त पड़ी है। कोलतार का नामोनिशान तक मिट चुका है और पूरी सड़क ढीली रोड़ियों में तब्दील हो गई है, जिससे दुपहिया वाहन चालक बार-बार दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। यह मार्ग दर्जनों गांवों, ढाणियों और अलवर जिले के खौंखर गांव को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, जिस पर रोजाना सैकड़ों ग्रामीण निर्भर रहते हैं। सड़क की खराब हालत के चलते लोगों को करीब चार किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे समय, ईंधन और आर्थिक संसाधनों की भारी बर्बादी हो रही है। परिवहन साधनों की कमी और मनमाना किराया ग्रामीणों की परेशानी को और बढ़ा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस सड़क का निर्माण लगभग 15 वर्ष पूर्व हुआ था और उसके बाद केवल औपचारिक व दिखावटी मरम्मत कर जिम्मेदार विभागों ने अपने दायित्वों से पल्ला झाड़ लिया। पूर्व में कई बार विरोध और मांग के बावजूद आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया। दोनों ही शिकायतों के माध्यम से ग्रामीणों ने साफ शब्दों में कहा है कि ये समस्याएं केवल विकास से जुड़ी नहीं हैं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही और जनहित की वास्तविक कसौटी हैं। अब देखना यह है कि मंडावर उपखंड प्रशासन इन गंभीर आपत्तियों और चेतावनियों को कितनी गंभीरता से लेता है, या फिर ग्रामीण आक्रोश और अविश्वास की खाई और गहरी होती चली जाएगी।

थाना शहर टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई;

सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर महिला को बदनाम करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना शहर टोहाना पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से महिला की फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर अश्लील सामग्री पोस्ट कर बदनाम करने के मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना शहर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता ने शिकायत दी थी कि दिनांक 21.05.2025 को उसे एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से धमकी दी गई थी। इसके उपरांत दिनांक 09.08.2025 को उसके नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उसकी असली व एडिट की गई अश्लील तस्वीरें पोस्ट कर बदनाम किया गया। शिकायत के आधार पर थाना शहर टोहाना में अभियोग नंबर 294 दिनांक 01.09.2025 धारा 319(2), 79 बीएनएस तथा 67-ए आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने मामले में संलिप्त मनु पुत्री देव सिंह निवासी मनीयाना जिला संगरूर (पंजाब) तथा रघबीर सिंह पुत्र प्रीतम राम निवासी रयोंदकलां जिला मानसा (पंजाब) को गिरफ्तार किया। पूछताछ के उपरांत दोनों आरोपियों को पुलिस जमानत पर रिहा कर दिया गया है, मामले की जांच अभी जारी है।

काम के अधिकार की रक्षा के लिए "देशव्यापी-अभियान मनरेगा बचाओ संग्राम" की शुरुआत

10 जनवरी से 25 फरवरी तक होगी-बिशनाराम सियाग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर करने एवं काम के अधिकार की रक्षा के लिए देशव्यापी अभियान मनरेगा बचाओ संग्राम आगामी 10 जनवरी से 25 फरवरी तक चलेगा। जिसके तहत दिल्ली में संसद का घेराव, राज्यो की विधानसभाओं के घेराव से लेकर प्रदेश स्तर, जिला स्तर, विधानसभा स्तर, ग्राम पंचायत व ढ़ाणी स्तर पर विरोध प्रदर्शन किये जायेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी देहात अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने पीसीसी अध्यक्ष गोविन्दसिंह डोटासरा से मिलकर संगठन व आगामी कार्यक्रमों की चर्चा की तथा बताया कि 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, नई दिल्ली द्वारा इसके लिए कार्यक्रम सूची तारीखवार जारी की जा चुकि हैं तथा राज्यों व जिले के अध्यक्षो को निर्देश जारी कर दिये हैं। सियाग ने बताया कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों की आर्थिक सुरक्षा की गारंटी है। इसे भाजपा की केन्द्र सरकार द्वारा कमजोर करने का हर प्रयास ग्रामीण भारत पर सीधा हमला है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण भारत के करोड़ों श्रमिकों के काम के अधिकार की रक्षा करना है। अभियान की तैयारियों के तहत 8 जनवरी को प्रदेश कांग्रेस कमेटी स्तर पर तैयारी बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसके बाद 10 जनवरी को सभी जिलों में जिला-स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आंदोलन की औपचारिक शुरुआत होगी। 11 जनवरी को एक दिन का जिला स्तर पर उपवास रखकर प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात 12 जनवरी से 29 जनवरी तक ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक जनसम्पर्क अभियान चलाया जाएगा।

इस दौरान सभी ग्राम पंचायतों में चौपालों का आयोजन किया जायेगा। जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लिखित पत्रों का वितरण सरपंचों, ग्राम प्रधानों, पूर्व ग्राम प्रधानों, रोज़गार सेवकों एवं मनरेगा श्रमिकों को किया जायेगा। विधानसभा-स्तर पर नुक्कड़ सभाएं एवं पैम्पलेटों का वितरण किया जायेगा। 30 जनवरी को वार्ड-स्तर पर शांतिपूर्ण धरना दिया जाएगा, इसके बाद 31 जनवरी से 6 फरवरी तक जिला स्तर पर 'मनरेगा बचाओ' धरना, प्रदर्शन आयोजित होगा। अभियान के अगले चरण में 7 फरवरी से 15 फरवरी तक राज्य-स्तर पर विधानसभाओं का घेराव किया जाएगा। अंतिम चरण में 16 फरवरी से 25 फरवरी तक विभिन्न एआईसीसी आंचलिक केंद्रों पर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा।

टोहाना में नशा मुक्ति कैंप का आयोजनः पुलिस और स्वास्थ्य विभाग मिलकर युवाओं को नशे से बचाएंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के मार्गदर्शन में, टोहाना मंडल में नशा मुक्ति टीम ने नशे की लत में फंसे युवाओं का जीवन बचाने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में डोर-टू-डोर सर्वे शुरू किया है। इस अभियान के तहत नशा पीड़ितों की पहचान, उनकी काउंसलिंग और उपचार के काम में टीम पूरी मुस्तैदी से लगी हुई है। 6 जनवरी 2026 को राजनगर वार्ड नंबर 1, टोहाना में नशा मुक्ति कैंप का आयोजन किया जाएगा। नागरिक अस्पताल की डॉक्टर टीम मौके पर पहुंचकर नशा पीड़ितों का परीक्षण और उपचार करेगी। इस कैंप में राजनगर, इंदिरा कॉलोनी और आसपास के वार्डों से लगभग तीन दर्जन मरीजों के आने की संभावना है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि नशे की ओवर डोज से हो रही मौतें मानवता पर कलंक हैं। नशे के दलदल में फंसे युवाओं को सबसे पहले मौत से बचाना प्राथमिक लक्ष्य है। उन्होंने सभी विभागों और समाज के लोगों से अपील की कि वे इस मुहिम में सहयोग करें। टोहाना मंडल की नशा मुक्ति टीम ने अब तक 70 से अधिक नशे से पीड़ित युवाओं की पहचान कर उनके परिवारों के साथ काउंसलिंग की है। इनमें से 15 युवाओं ने सिविल अस्पताल टोहाना में उपचार शुरू किया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस टीम इन युवाओं को सही मार्ग पर लाकर उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के योग्य बनाने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा, 'नशे के खिलाफ लंबी लड़ाई है, इसे जीतने के लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करना होगा। नशे की लत एक बीमारी है, जिसका उचित इलाज संभव है। अभिभावकों और समाज का सहयोग बेहद जरूरी है।

टोहाना सदर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: कचरा डोडा पोस्त सहित आरोपी काब

आरोपी रमेश पुत्र गुरदयाल सिंह से 1.250 किग्रा कचरा डोडा पोस्त बरामद, न्यायालय में पेश किया जाएगा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा,(ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक, सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत सदर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को कचरा डोडा पोस्त सहित काबू किया। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। सदर टोहाना प्रभारी उप निरीक्षक सादीराम ने बताया की एसआई हरदयाल सिंह (न.970/भिवानी) के नेतृत्व में टीम गस्त के दौरान जमालपुर शेखा टी प्वाइंट, चन्दड़कला रोड पर मौजूद थी। मुखबिर से सूचना मिलने पर टीम ने रमेश पुत्र गुरदयाल सिंह, निवासी जमालपुर शेखा को रोककर तलाशी के दौरान आरोपी के पास सफेद प्लास्टिक पॉलिथिन में 1.250 किग्रा कचरा डोडा पोस्त बरामद हुआ। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ मामला 04/26 धारा 15B/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। मामले की आगामी जांच जारी है और आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

योग आश्रम बढारना में बाबा श्री चंद्रनाथ जी महाराज को दी श्रद्धांजली

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । हरमाडा स्थित बढारना महंत योगी विश्वनाथ महाराज के भावपूर्ण सानिध्य में बाबा श्री चंद्रनाथ महाराज को योग आश्रम बढ़ारणा में श्रद्धांजली दी। पूरे दिन श्रद्धालुओं द्वारा भजन, गुरु महाराज की जीवनी सुनते हुए कई भक्तो को आंखो में आंसू झलक पड़े। श्री नाथ मंडल जयपुर अध्यक्ष कजोड़मल बुनकर ने बताया कि चंद्र नाथ जी महाराज एक सात्विक संत थे, जिन्होंने जीव जगत का कल्याण किया। बाबा श्री चंद्रनाथ महाराज एक बालयोगी संत थे, जिनको नाथ संप्रदाय में विशिष्ठ स्थान प्राप्त था। श्रद्धांजली सभा में पार्षद मनदीप सिंह हूडला, सुनील कारोडिया, सुमित मिश्रा, महेंद्र ज्योतिषी, रत्नमाला महन्त दीपक शर्मा, भगवान नाथ, महेरचंद, शंकर कोतवाल, नाथूराम, मुकेश कुमावत, उत्तम शर्मा, रामदयाल, रामावतार, सुरेश वर्मा, बंशी लाला, वीर बहादुर, गोविन्दपुरा प्रशासक पवन कुमार, हरदत्तपुरा प्रशासक भगवान सहाय बुनकर सहित सैंकड़ों भक्त मौजूद रहें।

एससी-एसटी महासंघ ने प्रतिभाओं का किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । शहर के तुर्कियावास गांव के बाबा रामदेव मंदिर परिसर में एससी-एसटी महासंघ के प्रदेश सचिव नरसाराम गोरा के सानिध्य में होनहार लेखराज जाखड़ का राजस्थान पुलिस में अंतिम चयन होने व सिमरन बड़जात्या द्वारा राज्य स्तर पर खेले जाने पर सम्मान माला पहनाकर, राजस्थानी पगड़ी, बाबासाहब व बुद्ध का छायाचित्र भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही उनके पिता गिरधारी लाल जाखड़ व माता सुनीता देवी का भी सम्मान किया। प्रदेश सचिव गोरा ने छोटे-छोटे गांवो से उभरती हुई प्रतिभाओं का सम्मान करने व प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। सेवानिवृत्त व्याख्याता नेमीचंद महरड़ा ने समाज के पाखंड, बुराइयों, कुरीतियो को दूर करने पर जोर दिया। सेवानिवृत्त व्याख्याता मोहन लाल जाखड़ ने बच्चो को एकाग्रता से तैयारी करने के लिये प्रोत्साहित किया। समाजसेवी आनंदी लाल रांगेरा ने पढ़ाई के अलावा अन्य क्षेत्रों यथा खेल-कूद, सेवा भावना के साथ माता-पिता की सेवा पर विशेष जोर दिया। इस दौरान बिजू प्रकाश व्याख्याता, शिक्षाविद हजारी लाल बड़जात्या, सीताराम बड़जात्या, छोटूराम राजोत, कालूराम जाखड़, बुधराम राम रांगेरा, बंशीधर राजोत, आची देवी, बिमला देवी, मोहनी देवी, सुनीता देवी, बादामी देवी इत्यादि लोग मौजूद थे।

सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार 2027 के लिए आवेदन आमंत्रितः डीसी

डीसी अभिषेक मीणा ने दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाती है। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि व्यक्तियों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा भाव को पहचानने और सम्मानित करने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के नाम से वार्षिक पुरस्कार दिया जाता है। उन्होंने बताया कि केवल भारतीय नागरिक और भारतीय संस्थान ही पुरस्कार के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। संस्थानों, स्वैच्छिक संगठनों, कॉर्पोरेट संस्थाओं, शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों, प्रतिक्रिया/वर्दीधारी बलों या किसी अन्य संस्थान के लिए पुरस्कार के लिए एक संस्था के रूप में आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए उम्मीदवार ने भारत में आपदा प्रबंधन जैसे रोकथाम, शमन, तैयारी, बचाव, प्रतिक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान/नवाचार या ईए कार्य के क्षेत्र में काम किया हो। डीसी ने बताया कि आवेदन के साथ आपदा प्रबंधन में किए गए कार्यों का विवरण होना चाहिए। पुरस्कार के संबंध में अधिक जानकारी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के पोर्टल पर उपलब्ध है।

फतेहाबाद जिले में अदालत में पुलिस की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन आइपीएस की समीक्षा बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने जिले में अदालतों से संबंधित पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, समयबद्ध एवं तकनीक-आधारित बनाने के उद्देश्य से पुलिस लाइन स्थित एनजीओ मेस के मीटिंग हॉल में प्रोसिक्यूशन एवं न्यायालय से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण यूनिटों की एक विस्तृत समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में डीएसपी सदर एवं ट्रैफिक जगदीश कुमार, इन्चार्ज प्रोसिक्यूशन सेल, इन्चार्ज एस्कॉर्ट गार्ड, इन्चार्ज सम्मन स्टाफ, इन्चार्ज आईटी सेल, इन्चार्ज कोर्ट सिक्योरिटी तथा जिले के सभी पैरवी अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक का उद्देश्य न्यायालयीन कार्यों में समन्वय बढ़ाना और अभियोजन प्रक्रिया को अधिक मजबूत बनाना रहा। बैठक के दौरान न्यायालयों में लंबित मामलों की स्थिति, समन व वारंट की तामीली, अभियोजन की गुणवत्ता, पेशियों पर समय पर उपस्थिति, कैदी एस्कॉर्ट व्यवस्था, कोर्ट सुरक्षा तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई।

ई-सम्मन, ICJS व CCTNS के प्रभावी उपयोग पर जोर - पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस ने निर्देश दिए कि ई-सम्मन प्रणाली का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि समन एवं वारंट की तामीली में अनावश्यक विलंब न हो।उन्होंने ICJS एवं CCTNS के माध्यम से केस स्टेटस, अभियोग विवरण और न्यायालयीन आदेशों की नियमित मॉनिटरिंग को अनिवार्य बताते हुए सभी संबंधित यूनिटों को तकनीकी संसाधनों का दक्षतापूर्वक उपयोग करने के निर्देश दिए।

प्रोसिक्यूशन एवं पैरवी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश - एसपी ने कहा कि दोषसिद्धि दर बढ़ाने में प्रोसिक्यूशन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी पैरवी अधिकारियों को केस फाइलों की समय पर तैयारी, साक्ष्यों की मजबूती तथा विवेचना अधिकारियों के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

सम्मन स्टाफ व एस्कॉर्ट गार्ड की जवाबदेही - सम्मन स्टाफ को न्यायालय से प्राप्त समन व वारंट की समयबद्ध तामीली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं एस्कॉर्ट गार्ड एवं कोर्ट सिक्योरिटी इन्चार्ज को पेशियों के दौरान कैदियों की सुरक्षित पेशी, अनुशासन एवं न्यायालय परिसर की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए कहा गया।

आईटी सेल की सक्रिय भूमिका - आईटी सेल को न्यायालयीन कार्यों से जुड़े तकनीकी सहयोग, रिकॉर्ड प्रबंधन और डिजिटल अपडेट में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए, ताकि सिस्टम आधारित कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

पारदर्शिता, अनुशासन एवं प्रदर्शन आधारित कार्यसंस्कृति - बैठक के अंत में पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि सभी यूनिटों के कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे कर्तव्यनिष्ठा, तकनीकी दक्षता, अनुशासन और आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिले की न्यायालयीन व्यवस्था को और अधिक मजबूत व प्रभावी बनाने में अपना योगदान दें।

नगर कांग्रेस कमेटी उदयपुरवाटी की कार्यकारिणी का चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । नगर कांग्रेस कमेटी उदयपुरवाटी की नई कार्यकारिणी का चयन राजस्थान प्रदेश कांग्रेस महासचिव ललित तुनवाल के निर्देशानुसार अध्यक्ष शिवप्रसाद चेजारा को बनाया है। महासचिव (संगठन) महावीर प्रसाद सैनी,उपाध्यक्ष गोविन्द कुमार वाल्मीकि,विकी शर्मा (मारवाल), रामसिंह मीणा, ओमप्रकाश सैनी, युसुफ खान, महासचिव राजेन्द्र प्रसाद जांगिड (बबलू), विजय कुमार मीणा,इमरान खान, खेमचन्द राठी, ज्ञान सिंह शेखावत सचिव के पद पर बलराम सैनी, अजय कुमार कलवा, आसिफ अली, गोविन्द सिंह राठौड, कैलाश चन्द्र स्वामी, जगदीश प्रसाद सैनी, पूरणमल सैनी, ताराचन्द राठी, राकेश कुमार सैनी, किशन लाल सरपरा को बनाया। प्रवक्ता विकास कुमार सैनी, सोशल मीडिया प्रभारी राहुल कुमार चेजारा, कार्यकारिणी सदस्य भाबरमल सैनी, कालूराम सैनी,गंगाधर सैनी, जुगल किशोर स्वामी, चेतन कुमार सैनी,शिव प्रसाद सैनी, शाकिर अली बने है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com